



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

जायिकर ई प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 5]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 24, 1995/माघ 4, 1916

No. 5]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 24, 1995/MAGHA, 4, 1916

राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1995

सं. एच. ई. सी. 9-2-4.—राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 64) की धारा 38 की उपधारा (4) के माध्यम से पठित उपधारा-38 उपखंड (2) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण केन्द्र सरकार की पूर्वाप्तमति से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थातः—

अध्याय-1 सामान्य

1 संक्षिप्त नाम, आरम्भ तथा लागू होना : (1) इन विनियमों को राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी संगठनात्मक भविष्य निधि तथा पारिवारिक पेंशन निधि) विनियम, 1994 कहा जाएगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

(3) ये प्राधिकरण के उन सभी कर्मचारियों पर लागू होंगे जो स्थायी रूप से प्राधिकरण की सेवा में नियुक्त किए गए हैं, परन्तु प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर आये कर्मचारियों पर ये विनियम लागू नहीं होंगे।

2 परिभाषाएं—(क) “अधिनियम” से राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1985 अभिप्रेत है।

(ख) “प्राधिकरण” में अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अभिप्रेत है;

(ग) “संघन” से इन विनियमों के अंतर्गत गठित निधि का न्याय संघन अभिप्रेत है;

(घ) “अध्यक्ष” से राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ङ) “अंगदान” से प्राधिकरण द्वारा नियोजता के रूप में इन विनियमों के अंतर्गत किसी सदस्य को भुगतान किया जाने वाला कोई अंगदान अभिप्रेत है;

(च) राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण संगठनात्मक भविष्य निधि के प्रयोजन के लिए “परिवार” से निम्नलिखित अभिप्रेत है:—

(1) पुरुष कर्मचारी के मामले में वह स्त्रिय, उसकी पत्नी अथवा पत्नियां, बच्चे चाहे विवाहित हों अथवा अविवाहित, आश्रित माना-पिता तथा किमा पूर्व सून पुत्र की सिधवा तथा बच्चे।

किंतु यदि कोई पुरुष कर्मचारी बोर्ड को लिखित में नोटिस द्वारा अपने परिवार से अपनी पत्नी को निकालने के संबंध में अपनी इच्छा व्यक्त करता है तो इन विनियमों से संबंधित मामलों में उस समय से उसकी पत्नी को कर्मचारी के परिवार का भाग तब तक नहीं माना जाएगा, जब तक कि बाद में वह पुरुष कर्मचारी लिखित रूप में इस प्रकार के नोटिस को रद्द न कर दे।

(2) महिला सदस्य के मामले में वह स्त्रिय, उसका पति, उसके बच्चे चाहे विवाहित हों अथवा अविवाहित, चाहे उसके आश्रित

माता-पिता, उसके पति के अश्रित माता-पिता तथा पूर्व मृत पुत्र की विधवा तथा बच्चे।

किंतु यदि कोई महिला कर्मचारी बोर्ड को लिखित में नोटिस द्वारा अपने परिवार से अपने पति को निकालने के संबंध में अपनी इच्छा व्यक्त करती है तो इन विनियमों से संबंधित मामलों में उस समय से उसके पति और पति के अश्रित माता-पिता को उस महिला कर्मचारी के परिवार का भाग तब तक नहीं माना जाएगा जब तक कि बाद में वह महिला कर्मचारी लिखित रूप में इस प्रकार के नोटिस को रद्द न कर दे।

स्पष्टीकरण: जब कर्मचारी को वैयक्तिक कानून के अंतर्गत एक बच्चा गोद लेने की अनुमति प्राप्त हो, तो कानूनी मान्यता द्वारा प्राप्त वह बच्चा उसके परिवार में शामिल माना जाएगा। यदि कर्मचारी की संतान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गोद ले ली गई हो तथा गोद लेने वाले को वैयक्तिक कानून के अंतर्गत गोद लेने की कानूनी मान्यता प्राप्त हो तो वह बच्चा कर्मचारी के परिवार से अलग समझा जाएगा।

(घ) राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण परिवार पेंशन निधि के प्रयोजन के लिए "परिवार" से अभिप्रेत है।

- (1) प्राधिकरण के पुरुष कर्मचारी के मामले में पत्नी
- (2) प्राधिकरण की महिला कर्मचारी के मामले में पति, तथा
- (3) प्राधिकरण के कर्मचारी के नाभालिन पुत्र तथा अविवाहित पुत्रियां।

स्पष्टीकरण:—“पुत्र” तथा “पुत्रियां” पदावलि में मेवा में रहते हुए मृत्यु से पूर्व कानूनी तौर पर गोद ली गई संतान शामिल है।

- (ज) “परिवार पेंशन” में संगणनीय सेवा की अवधि में मृत्यु हो जाने की दशा में प्राधिकरण के कर्मचारी के परिवार से संबंधित व्यक्ति को नियमित रूप से दी जाने वाली मासिक राशि अभिप्रेत है,
- (झ) “विशेष सेवा” से वह सेवा अभिप्रेत है जिसमें प्राधिकरण का कोई कर्मचारी प्राधिकरण की मंजूरी प्राप्त करके प्राधिकरण से भिन्न किसी नियोजक से अपना वेतन और अन्य उपलब्धियां प्राप्त करें,
- (ट) “फंड” से राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि अभिप्रेत है,
- (ठ) “सदस्य” से प्राधिकरण का कोई ऐसा कर्मचारी अभिप्रेत जो अंशदायी भविष्य निधि या परिवार पेंशन योजना का सदस्य बनता है या बनने का हकदार है,
- (ड) “वेतन” में मूल वेतन और जहां अनुज्ञेय हो, विशेष वेतन या वैयक्तिक वेतन, महंगाई वेतन तथा महंगाई भत्ता सम्मिलित है, लेकिन कोई अन्य भत्ता, जिसका कर्मचारी हकदार हो सकता है सम्मिलित नहीं है,
- (ड) “सभापति” से बोर्ड का सभापति अभिप्रेत है,
- (ड) “संगणनीय सेवा” से परिवार पेंशन निधि के किसी कर्मचारी द्वारा की गई ऐसी सेवा अभिप्रेत है जिसके संबंध में, इस विनियमों के अधीन अंशदान का भुगतान किया जा सकता है,
- (ण) “सचिव” से फंड के न्याय मंडल का सचिव अभिप्रेत है,
- (त) “अंशदान” से किसी सदस्य द्वारा भविष्य निधि में किया गया अंशदान अभिप्रेत है,
- (थ) “न्यासी” से न्यासी बोर्ड का कोई सदस्य अभिप्रेत है, और
- (द) “वर्ष” से अप्रैल के प्रथम दिन से प्रारम्भ होने वाला राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

3. अपरिवर्तनीय न्यास के अन्तर्गत गठित फंड :—

न्यास के अन्तर्गत अपरिवर्तनीय फंड का गठन किया जाएगा। सभी हितधारिकारियों की सहमति से और नीचे निम्नलिखित मामलों के अतिरिक्त सदस्यों के नियंत्रणाधीन फंड को इन राशि को किसी भी बहाने (सर्क) न तो सरकार द्वारा वसूल किया जाएगा, ना ही कंपनी का उस बचत (संचित) निधि पर कोई धारणाधिकारी या उस बचत का विवरण देने का वायव्य होगा जैसा कि यहाँ दर्शाया गया है :—

किंतु उन मामलों में जहाँ फंड के विनियमों में निम्नलिखित सेवा शर्तों की समाप्ति से पूर्व कर्मचारी को अवधार के कारण प्रत्यक्ष, तौकरी से स्वेच्छिक छुट्टी अथवा बीमारी या अन्तःपरिहार्य कारणों से सेवानिवृत्त कर देने पर नियोजता फंड से किसी भी रूप में किसी भी राशि की वसूली करने के लिए हकदार नहीं होगा।

यह कि ऐसे मामलों में कर्मचारी के निजी लेखे में नियोजता द्वारा किए गए अंशदानों और उस पर फंड के विनियमों के अनुसार जमा व्याज की इन राशि तक ही नियोजता द्वारा की जाने वाली वसूली सीमित होगी।

3.(क) न्यासी बोर्ड (1) इन विनियमों के अधीन गठित निधि का प्रबंध न्यासी बोर्ड द्वारा किया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे अर्थात् :—

- (क) निदेशक (वित्त और लेखा) पदेन सभापति
- (ख) कंपनी सचिव, पदेन
- (ग) निदेशक कार्मिक, पदेन
- (घ) उप निदेशक (वित्त एवं लेखा), पदेन
- (ङ) कर्मचारियों के दो प्रतिनिधि, जिनकी नामजदगी अध्यक्ष, कर्मचारियों के परामर्श से, निधि के सदस्यों में से करेगा।
- (च) अधिकारियों का एक प्रतिनिधि, जिनकी नामजदगी अध्यक्ष, अधिकारियों के परामर्श से, निधि के सदस्यों में से करेगा।

नोट: प्राधिकरण के सदस्य (वित्त) और सदस्य (कार्मिक एवं प्रशासन) की सिफारिश पर ही अध्यक्ष न्यासी बोर्ड के गठन में कोई परिवर्तन कर सकता है।

(2) प्राधिकरण के प्रधान कार्यालय का एक अधिकारी जिसकी नामजदगी अध्यक्ष द्वारा की जाएगी, बोर्ड का सचिव होगा। सचिव की सहायताार्थ प्राधिकरण द्वारा दिया गया ऐसा कर्मचारी बृद्ध होगा जो अध्यक्ष, समय समय पर, अवधारित करेंगे। बोर्ड की बैठक बुलाना, उनके अधिलेख रखना, लेखों के उचित रख रखाव को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाना और बोर्ड के निर्णयों को कार्यान्वित करना सचिव के कर्तव्य होंगे।

(4) क्षेत्रीय समितियाँ :— इन विनियमों के अन्तर्गत यथा स्वीकार्य अधिम स्वीकृत करने के लिए प्राधिकरण के प्रत्येक क्षेत्र में बोर्ड द्वारा प्राधिकृत क्षेत्रीय समितियाँ होंगी। इन क्षेत्रीय समितियों में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे, अर्थात् :—

- (क) क्षेत्र का प्रमुख।
- (ख) क्षेत्र के कार्मिक एवं प्रशासनिक विभाग का प्रमुख।
- (ग) क्षेत्र के वित्त का प्रमुख।
- (घ) अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से त्रयः अधिकारी तथा कर्मचारी के दो प्रतिनिधि, जिनकी नामजदगी क्षेत्र का प्रमुख, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परामर्श से, निधि के सदस्यों में से करेगा।

5 पदावधि—(1) पदेन न्यासी से भिन्न, प्रत्येक न्यासी, इन विनियमों के अधीन रहते हुए अपनी नामजदगी की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक पदधारण करेगा,

(2) यदि (पदेन न्यासी से भिन्न) किसी न्यासी पद की आकस्मिक रिक्ति होती है तो अध्यक्ष, कर्मचारियों के परामर्श से ऐसी रिक्ति को भरने के लिए निधि के किसी सदस्य को न्यासी के रूप में नामजद कर सकेगा और इस प्रकार नामजद न्यासी उस न्यासी की अनवसित पदावधि पर्यन्त पद धारण करेगा, जिसके स्थान पर उसे इस प्रकार नामजद किया गया है।

(3) कोई भी पदमुक्त होने वाला न्यासी पुनः नामजदगी के लिए पात्र होगा।

6. न्यासी का पद त्याग और न्यासिता की समाप्ति : (1) पदेन न्यासी से भिन्न कोई भी न्यासी, अध्यक्ष को संतोषित पत्र द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दे सकता है और उसका पद उस तारीख से जिस तारीख को अध्यक्ष पत्र स्वीकार करता है रिक्त हो जाएगा।

(2) यदि पदेन न्यासी से भिन्न कोई न्यासी, सभापति से अपनी अनुपस्थिति की छुट्टी प्राप्त किसे बिना, बोर्ड की लगातार तीन बैठकों में उपस्थित होने में असफल रहता है तो वह न्यासी नहीं बना रहेगा।

परन्तु बोर्ड स्वयं अपने प्रस्ताव द्वारा या इस निमित्त ऐसे न्यासी द्वारा दिये गये आवेदन पर, यदि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उसकी अनुपस्थिति के लिए युक्तियुक्त आधार था न्यासी को उसके पद पर प्रत्या-वर्तित कर सकेगा।

7. न्यासित के लिए निरहताएं और उसे पद से हटाया जाना : (1) कोई व्यक्ति विनियम 4 के उपविनियम (1) के खंड (क) और (ख) के अधीन, न्यासी बनने के लिए निरहृत होगा :

(क) यदि वह असमर्थ दिखानिया है;

(ख) यदि वह किसी सक्षम न्यायालय द्वारा विधिपूर्वक जांचित कर दिया जाता है;

(ग) यदि वह किसी ऐसे अपराध के लिए, जो तत्काल चरित्रहीनता का है, दोषी ठहराया गया है;

(घ) यदि वह प्राधिकरण का कर्मचारी नहीं रह जाता; या

(ङ) यदि किसी कारणवश निधि का सदस्य नहीं रह जाता है।

(2) यदि कोई प्रश्न उठता है कि क्या कोई व्यक्ति विनियम 4 के उपविनियम (1) के खंड (क) और (ख) के अधीन निरहृत है, तो वह मामला अध्यक्ष को भेज दिया जाएगा जिन पर उसका निर्णय अंतिम होगा।

(3) प्राधिकरण पदेन न्यासी से भिन्न किसी भी न्यासी को, उसके पद से हटा सकेगा यदि प्राधिकरण की राय में उसने उन हितों का प्रति-निधित्व करना बंद कर दिया है जिन के लिए उनसे प्रस्तावित कार्यवाही के बिना कोई प्रतिनिधित्व किया जाना तात्पर्य है।

8. बैठकें : (1) बोर्ड अपनी बैठकें नहीं दिल्ली में या ऐसे स्थान और समय पर करेगा जो सभापति इस निमित्त निर्धारित करें। सभापति जब भी वह उचित समझे, और कम से कम तीन न्यासियों से लिखित रूप में मांग किए जाने के 15 दिन के अंदर अंदर बोर्ड की बैठक बुला सकेंगे।

(2) बोर्ड की प्रत्येक सामान्य बैठक के बारे में प्रत्येक न्यासी को तैनाती (नोटिस) की तारीख से कम से कम पन्द्रह दिन का नोटिस दिया जाएगा। इस नोटिस के साथ बैठक में विचार किए जाने वाले मुद्दों की सूची भी संलग्न की जाएगी।

परन्तु जब सभापति किसी ऐसे मामले पर, जो कि उनकी राय में अत्यावश्यक है, विचार करने के लिए उचित समय देकर जिसे वह आवश्यक समझे, बैठक बुलाते हैं तो, इस विनियम के प्रयोजन के लिए वह नोटिस भी पर्याप्त समझा जाएगा।

(3) सभापति, बोर्ड की प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता करेगा। उसकी अनुपस्थिति में न्यासी उपस्थित सदस्यों में से बैठक की अध्यक्षता करने के लिए किसी एक का निर्वाचन करेंगे और इस प्रकार निर्वाचित व्यक्ति को ऐसी बैठक की अध्यक्षता की सारी ज़िम्मेदारियां प्राप्त होंगी।

9. कोरम : (1) बोर्ड की किसी बैठक में (सामान्य प्रथम या तत्काल) किसी कारणवश पर कार्यवाही तब तक नहीं की जायेगी जब तक कि कम से कम तीन न्यासी उपस्थित न हों, जिनमें से कम से कम एक न्यासी विनियम 4 के उपविनियम (1) के खंड (घ) और (ङ) के अधीन नामजद किये न्यासियों में से होगा।

(2) यदि किसी अधिवेशन में गणपूर्ति के लिए अपेक्षित न्यासियों की संख्या नहीं है तो सभापति स्थगित अधिवेशन के समय और स्थान की सूचना न्यासियों को देते हुए अधिवेशन स्थगित कर देगा और ऐसा होने पर इस प्रकार स्थगित अधिवेशन में, गणपूर्ति है या नहीं, को ध्यान में लाए बिना बारबार का निपटान विधिपूर्ण माना जाएगा।

(3) बोर्ड के अधिवेशन में प्रत्येक प्रश्न उपस्थित और मतदान कर रहे न्यासियों के बहुमत से विनिश्चय किया जाएगा। मतों के समान होने की दशा में, सभापति का तृतीय या निर्णायक मत होगा और वह उसका प्रयोग करेगा।

10. बैठक का कार्यवृत्त : अधिवेशन का कार्यवृत्त बोर्ड की सेंटिमेंटों के कार्यवृत्त को बोर्ड का शीर्षक रखेगा। बोर्ड की प्रत्येक बैठक में ऐसे कार्यवृत्त को गंभीरतापूर्वक संहित या उनके बिना पुष्टि हो जाने पर इस प्रकार पुष्टि किये गये कार्यवृत्त को कार्यवृत्त पुस्तिका में अभिलिखित किया जाएगा और सभापति उस पर हस्ताक्षर करेगा और इस प्रकार अभिलिखित और हस्ताक्षरित कार्यवृत्त उनका सही होने का सबूत होगा।

11. फीस और भत्ते : (1) निधि के प्रशासन में संबंधित सभी अधिकारियों, जिसमें निधि के प्रबंध के प्रयोजन के लिए नियुक्त किए गए कर्मचारी वृत्त के वेतन और भत्ते भी सम्मिलित है, का वहन प्राधिकरण करेगा और उसे निधि को प्रसारित नहीं किया जाएगा।

(2) बोर्ड की बैठक में सम्मिलित होने के लिए किसी न्यासी द्वारा की गई यात्राओं के लिए उसे यात्रा भत्ता का अनुदान शासकीय कार्य पर की गई यात्रा के लिए उसे लागू विनियमों द्वारा शासित होगा और उसका भुगतान प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

अध्याय 2

12. राष्ट्रीय विमानवाहन प्राधिकरण कर्मचारी अंशदामो भविष्य निधि का गठन :—

(1) प्राधिकरण एक निधि का गठन करेगा जिसे राष्ट्रीय विमान-वाहन प्राधिकरण अंशदामो भविष्य निधि कहा जाएगा।

(2) निधि इन विनियमों के अधीन रहते हुए रूपों में रखी जाएगी।

(3) निधि अपने सदस्यों के लाभ के लिए एक प्रतिवृत्तपूर्ण न्याय का गठन करेगी।

13. निधि की आस्तियां : निधि में निम्नलिखित होंगे :—

(क) इन विनियमों के अनुसार प्राधिकरण द्वारा किए जाने वाले अंशदान और सदस्यों द्वारा किए जाने वाले अभिवान,

(ख) ऐसे अंशदान और अभिवान पर प्राप्त ब्याज;

(ग) किसी अन्य भविष्य निधि से अंतरित अतिरिक्त अंशदानों द्वारा ऐसे अंतरण प्राधिकृत किए जाए,

(घ) इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार निधि का व्ययगत धन,

(क) निधि अनुबुद्धि से क्रय प्रतिभूतियों और निधि को पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से उद्भूत कोई पूंजीगत लाभ।

14. निधि की सदस्यता :—प्राधिकरण का प्रत्येक निर्गमित कर्मचारी उस तारीख के जिस तारीख को उसने तीन मास को निरंतर सेवा पूरी कर ली है या तीन मास की अवधि के भीतर कम से कम 60 दिन बस्तुतः कार्य किया है, आगामी मास के प्रारंभ से इस निधि का सदस्य बनने के लिए हकदार होगा और उसने सदस्य बनने की उम्मीद की जाएगी।

स्पष्टीकरण : (क) यदि कोई कर्मचारी कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के अन्तर्गत अंगदायी भविष्य निधि का या केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा स्थापित अन्य किसी भविष्य निधि या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रावधान के अधीन सम्पत्ताप्राप्त अन्य किसी भविष्य निधि का सदस्य रहा है और प्राधिकरण में कार्यभार ग्रहण करने समय उसने अपने भविष्य निधि खाते में जमा रकम प्रत्याहृत नहीं की है तो वह अपनी नियुक्ति की तारीख से निधि का सदस्य बनने के लिए पात्र होगा बशर्ते कि वह अपने पिछले संगठन से अपनी जमा धन राशि राष्ट्रीय विमानतन्त्र प्राधिकरण कर्मचारी अंगदायी भविष्य निधि में स्थानान्तरित करता है।

(ख) पेंशन भोगी और राज्य केन्द्रीय/सरकार के विभागों के अधि-बर्षता प्राप्त करने वाले व्यक्ति अपनी नियुक्ति की तारीख से निधि के सदस्य हो जायेंगे बशर्ते कि उनका नियोजन तक वर्ष से कम के लिए न हो या उनके सेवाकाल में एक वर्ष या अधिक की वृद्धि की गयी हो।

(ग) ठेके के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्ति निधि का सदस्य बनने के लिए तब तक पात्र नहीं होंगे जब तक कि उनका नियुक्ति के ठेके में उसके लिए विशेष व्यवस्था न हो।

15. सदस्यों द्वारा की जाने वाली घोषणा :—निधि का सदस्य बन जाने पर प्रत्येक कर्मचारी संगत फार्म "ब" में एक करार निष्पादित करेगा।

16. अभिदान तथा अंशदान की दरें :—(1) प्रत्येक सदस्य, मास के दौरान अर्जित वेतन के 8.33 प्रतिशत की दर से प्रत्येक मास निधि में अंशदान करेगा।

(2) सदस्य अभिदान की दर बढ़ा सकता लेकिन बड़ी हुई दर मास के दौरान अर्जित वेतन के पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

परन्तु ऐसी वृद्धि उस अभिदाय से प्रभावी होगी जो इन विनियमों के अधीन वित्तीय वर्ष के प्रथम मास का अभिदाय समझा जायेगा।

स्पष्टीकरण :—पुनः नियोजित कर्मचारियों द्वारा अंगदायी भविष्य निधि में देय दर निर्धारित करने के प्रयोजनार्थ वेतन में पुनः नियोजन वेतन के नियत के समय हिसाब में लिया गया वेतन व पेंशन तथा अन्य सेवा निवृत्त लाभ शामिल होंगे। परन्तु इस प्रयोजन के लिए अधिकतम राशि, संबद्ध कर्मचारी द्वारा धृत पद के वेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं होगी। इसके अनिवार्य गृह्यार्थ भत्ता भी हिसाब में लिया जाएगा।

(3) प्राधिकरण प्रत्येक मास, निधि में प्रत्येक सदस्य द्वारा दी गई राशि के बराबर अंशदान करेगा परन्तु उक्त निधि में नियोजक का अंशदान किसी भी वर्षा में उस मास के दौरान सदस्य द्वारा अर्जित वेतन के 8.33 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

(4) अभिदान तथा अंशदान निकटतम रूप में पूर्णांकित किया जाएगा और पचास पैसे या उससे अधिक को घटाने रूप में गिना जाएगा।

17. अभिदान की बसूती :—(1) जब कोई सदस्य प्राधिकरण से अपना वेतन लेता है तब ऐसे अंशदान और किया अभिदान मूलधन और ब्याज की बसूती वेतन से ही कर ली जाएगी।

(2) जब कोई सदस्य विदेश सेवा में है और विदेशी नियोजन से अपना वेतन प्राप्त करता तो है तो उसके लिए आत मासिक अंशदान की राशि सभापति को प्रेषित करना आवश्यक होगा। विदेश स्थित नौकरी की अवधि के संबंध में संदेय प्राधिकरण का अंशदान, प्राधिकरण द्वारा सदस्य से बसूल किया जाएगा। सदस्य द्वारा संदेय राशि पारस्परिक समझौते के आधार पर विदेशी नियोजन द्वारा उसके (सदस्यों के) वेतन से बसूल और सभापति को प्रेषित की जा सकती है।

18. निधि का प्रबंध, लेखे और लेखा परीक्षा :—(1) निधि में नियोजन के अंशदान के रूप में और कर्मचारियों के अभिदान के रूप में प्राप्त कृत राशि संबंधित खातों में जमा की जाएगी।

(2) निधि को व्यवगत सभी राशियां, परन्तु बिलियाओं के बिना में हुए लाभ या हानि, यदि कोई है, का राशि नहीं, "व्यवगत खाते" को की जाएगी।

(3) प्राप्त या बसूल किए गए सभी ब्याज, किराया और अन्य आय, यथास्थिति को "ब्याज-प्राप्त खाता" नामक खाते में जमा की जाएगी।

(4) निधि को सभी रकम आयकर नियम, 1962 के नियम 67 और उसमें समय-समय पर किए गए संशोधन के अधीन विनिर्दिष्ट तरीके में जमा की जाएगी।

(5) निधि के लेखों को लेखा-परिष्कार प्राधिकरण के लेखों की लेखा परीक्षा करने वाले अधिकारी द्वारा की जाएगी।

19. ब्याज :—बोर्ड प्रत्येक वर्ष की समाप्ति के पश्चात् यथासंभव शीघ्र :—

(क) वह दर अभिसूचित करेगा जिस दर पर निधि के प्रत्येक सदस्य के खाते में जमा सारी राशि पर उस वर्ष के दौरान ब्याज अनुज्ञात किया जाएगा, जो बड़ी दर होगी जो केन्द्रीय सरकार अपने कर्मचारियों को अंगदायी भविष्य निधि के लिए निर्धारित करेगी।

(ख) उस वर्ष के दौरान निधि के विनिधान पर लगे और प्राप्त कुल ब्याज का लेखा तैयार करेगा ; और

(ग) प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की निधि में प्रत्येक सदस्य के खाते में जमा उसकी रकम पर देय ब्याज की रकम जमा करेगा। परन्तु वर्ष के लेखे बंद होने के पूर्व किसी सदस्य के ऐसा सदस्य न रहा जाने की दशा में, ब्याज पूर्ववर्ती वर्ष के लिए नियत दर पर अनुज्ञात किया जाएगा और वह उस मास के, जिस मास में चुगतान किया गया है, पूर्ववर्ती मास के अंत तक दिया जाएगा।

20. सदस्य का खाता :—(1) प्रत्येक सदस्य का वैयक्तिक खाता बोर्ड द्वारा निर्धारित फार्म में रखा जाएगा और उसे श्रम संख्या आर्बिटन की जाएगी। खाते मुख्यालय में या सम्बन्ध शैलीय मुख्यालय (जिसके निर्णय-आधीन सदस्य कार्य कर रहा है, जैसा भी बोर्ड निहित करे, रखा जाएगा।

(2) वर्ष समाप्त होने के पश्चात् यथासंभव शीघ्र प्रत्येक सदस्य को उसके लेखे का एक विवरण दिया जाएगा जिसमें उसके खाते में जमा अभिदान और अंशदान के वर्ष का आरंभिक ब्यक्तिगत व उस पर ब्याज वर्ष के दौरान अभिदान और अंशदान की राशि, उस वर्ष के लिए उसके खाते में जमा ब्याज और वर्ष के अंत में उसके खाते में जमा अभिदान और अभिदाय की राशि और उस पर ब्याज उपलब्ध हो।

(3) प्रत्येक सदस्य इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि उस के लेखा विवरण में की गई प्रविष्टियाँ सही हैं, अपने विधिवत हस्ताक्षर करके लेखा विवरण की प्रतिलिपि उसकी प्राप्ति की तारीख से दो मास के भीतर भेजेगा।

(4) ऐसे प्रत्येक सदस्य का वर्ष के व्यक्तिगत लेख का उद्घरण, जिसके बारे में आयकर नियम, 1962 के अधीन विवरण दिया जाना अपेक्षित है, संबद्ध आयकर अधिकारी को निर्धारित प्रारूप में और निर्धारित अवधि के भीतर, जो उक्त नियमों के उपबन्धों के द्वारा अपेक्षित हो, भेजा जाएगा।

21 नामजदगी : (1) प्रत्येक सदस्य, निधि में सम्मिलित होने के पञ्चात यथानियत तिथि, उसे प्राप्त पर ओ कोई विहित कर नामजदगी करेगा, जिसमें वह राशि संदेय होने से पूर्व उम्मीदी मृत्यु हो जाने की दशा में या उस दशा में जब राशि संदेय हो तो ही न गरी है। एक या अधिक व्यक्तियों को ऐसी राशि प्राप्ति का अधिकार प्रदान करेगा जो कि उसके ज्ञाते में जमा हो।

परन्तु नामजदगी करने समय यदि सदस्य का कोई कुटुम्ब हो तो नामजदगी उसके कुटुम्ब के सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में नहीं की जाएगी।

(2) यदि कोई सदस्य उप विनियम (1) के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों का नामजद करता है तो वह प्रत्येक नामजद व्यक्ति को संवेद्य राशि या अंश इस रीति में नामांकित फार्म में विनिर्दिष्ट करेगा कि निधि में उसके ज्ञाते में किसी भी समय उसके नाम जमा संपूर्ण राशि उसके अंतर्गत आ जाएगी।

(3) सदस्य किसी भी समय लिखित सूचना देकर नामजदगी रद्द या संशोधित कर सकता है। परन्तु सदस्य ऐसी सूचना के साथ साथ इस विनियम के उपबन्धों के अनुसार ऐसे फार्म में जो समापति निर्धारित करे, किया गया तथा नामांकन भी संवेद्या।

(4) सदस्य नामांकन फार्म में निम्नलिखित सूचना प्रदान करेगा—

(क) कि यदि किसी विनिर्दिष्ट नामित व्यक्ति की नामित करने वाले सदस्य से मृत्यु हो जाती है तो उस नामित व्यक्ति को दिया गया अधिकार ऐसे अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को मिल जाएगा जो नामजदगी में विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।

परन्तु यदि सदस्य का परिवार है तो ऐसा नामजद व्यक्ति भी परिवार का ही एक सदस्य होगा।

और यह भी कि यदि सदस्य का कुटुम्ब नहीं है तो उपबन्ध (ख) के परन्तुक (क) के उपबंध लागू होंगे।

(ख) कि नामांकन में विनिर्दिष्ट किसी आकास्मिकता के घटित होने पर नामांकन अवैध हो जाएगा।

परन्तु यदि नामांकन करते समय सदस्य का कोई कुटुम्ब नहीं है तो वह नामजदगी में इस बात का उपबंध करेगा कि यदि बाद में उसका कुटुम्ब हो जाता है तो वह नामांकन अवैध हो जाएगा।

(5) ऐसे नामजद व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के तुरन्त बाद जिसके बारे में उपविनियम (4) के खण्ड (क) के अधीन नामांकन में किसी विशेष उपबंध की व्यवस्था नहीं की गई है या ऐसी कोई घटना घटित हो जाने पर जिसके कारण उपविनियम (4) के खण्ड (ख) के अनुसार नामांकन अवैध हो जाता है, सदस्य नामजदगी रद्द करने के लिए सचिव या समापति द्वारा प्राधिकृत अन्य अधिकारी को लिखित रूप में एक सूचना भेजेगा और उसके साथ इस विनियम के उपबन्धों के अनुसार एक नया नामांकन भी भेजेगा।

(6) सदस्य द्वारा किया गया प्रत्येक नामांकन और रद्द किए जाने के लिए दिया गया प्रत्येक नोटिस की सूचना उस सीमा तक जिस सीमा तक वैध है, सचिव या इस बाबत प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी

को भेजी जाएगी और उस तारीख को प्रभावी हो जाएगी जिसको वह सचिव या उपर उपविनियम (5) के अधीन समापति द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को प्राप्त होती है।

(7) यदि नामांकन पूर्णतः या आंशिक रूप से किसी अवसरक के पक्ष में है तो सदस्य इन विनियमों के प्रयोजन के लिए सहायक निधि अपने कुटुम्ब के किसी व्यक्ति या व्यक्ति को अवसरक नामित व्यक्ति का संयोजक नियुक्त कर सकता है।

परन्तु यदि कुटुम्ब में कोई व्यक्ति अशक्त नहीं है तो सदस्य स्वधिकृतानुसार किसी अग व्यक्त को अवसरक नामित का संयोजक नियुक्त कर सकता है।

(8) इस विनियम में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर कोई भी कर्मचारी निधि में अपने नामजद होने की न तो सम्मति करेगा और न उस पर प्रभार सृजित करेगा।

22 निधि में से अग्रिम धन निम्न— (1) बोर्ड नीचे विवरण के स्तब 2 में सूचित बिन्दुओं की प्रयोजनों के लिए किसी सदस्य को उस सीमा तक और उन विशेष शर्तों के यदि कोई हैं, यकीन नहीं हुए जो फार्म स्तब 3 और 4 में उल्लिखित हैं, अग्रिम धन की अवश्यगी को सजूर कर सकेगा।

टिप्पणी

क्रम सं. प्रयोजन सीमा जिस तक अग्रिम बिधेय संजूर किया जा सकता है

1	2	3
1	सदस्य या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य को भारत में बाह्य किसी स्थान की यात्रा खर्च का भुगतान करने के लिए।	तीन मास का वेतन या निधि में सदस्य के ज्ञाते में जमा अग्रिम धन की राशि और उस पर व्याज का आधा, जो भी कम हो।
2	सदस्य को हेसियत के उपयुक्त मान पर ऐसे परिवर्धनीय बच्चों का भुगतान करने के लिए, जो सदस्य को रुझित प्रभा के अनुसार निम्नलिखित के संबंध में कार्य करते पड़े—	
(क)	अपनी या अपने बच्चों के या उस पर वस्तुतः आश्रित उसके कुटुम्ब के किसी अन्य सदस्य के संबंध में पर या उनके मान-रूपता के या उस पर वस्तुतः आश्रित उसके कुटुम्ब के किसी अन्य सदस्य की अत्यधिक कर्म पर।	छ मास का वेतन या निधि में सदस्य के ज्ञाते में जमा अग्रिम धन की राशि और उस पर व्याज का आधा, जो भी कम हो।
(ख)	सदस्य के या उसके बच्चों के या उस पर वस्तुतः आश्रित उसके कुटुम्ब के किसी अन्य सदस्य के संबंध में पर या उनके मान-रूपता के या उस पर वस्तुतः आश्रित उसके कुटुम्ब के किसी अन्य सदस्य की अत्यधिक कर्म पर।	तीन मास का वेतन या निधि में सदस्य के ज्ञाते में जमा अग्रिम धन की राशि और उस पर व्याज का आधा, जो भी कम हो।
3	सदस्य पर वस्तुतः आश्रित उनके कुटुम्ब के किसी सदस्य की बीमारी के या निःशक्तता के, जिसमें यात्रा व्यय भी है, संबंध में किसी व्यय का भुगतान करने के लिए।	तीन मास का वेतन या निधि में सदस्य के ज्ञाते में जमा अग्रिम धन की राशि और उस पर व्याज का आधा, जो भी कम हो।

1	2	3
4	सदस्य पर पूर्णतः आश्रित उसके पुत्र या पुत्री की उच्चतर तक-नीकी शिक्षा के धन्य की पूर्ति करने के लिए।	तीन मास का वेतन या निधि में सदस्य के खाने में जमा अभिदान की रकम और उस पर ब्याज का आधा, जो भी कम हो।
5	सदस्य द्वारा अपनी प्रतिरक्षा के लिए किसी निधि न्यायालय में शासकीय हैसियत में अपने चरित या कार्य के समर्थन के लिए किए गए धन्य की पूर्ति करने के लिए।	तीन मास का वेतन या निधि में सदस्य के खाते में जमा अभिदान की रकम और उस पर ब्याज का आधा, जो भी कम हो।

टिप्पण : 1 उसके पुत्र या उसकी पुत्री के विवाह के बावत या उसके माता-पिता की अल्पेष्टि के बावत अभिम की मंजूरी के मामले में कर्मचारी पर निर्भरता की शर्त लागू नहीं होगी।

टिप्पण : 2 वम संख्या 2(क) के प्रयोजन के लिए, कर्मचारी की अविवाहित बहिन उनके कुटुम्ब की सदस्य समझी जाएगी।

(2) उप नियम (1) में किसी बात के होने हुए भी, अध्यक्ष उपर निर्धारित परिसीमाओं से अधिक या ऊपर उपरनिर्णत शर्तों के अंतर्गत न अपने बाकी किसी अत्याधिक संकेत की दिशा में भी नगरणों को लेख भेज करने के बाद अभिम मंजूर कर सकता है।

(3) किसी सदस्य की विशेष कारणों के सिवाय, तब तक अभिम मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने किसी पहले मंजूर किए गए अभिम की ब्याज सहित अंतिम किश्त का प्रतिसंदाय न कर दिया हो। फिर भी, उन मामलों में जहाँ पहले अभिम की अदायगी करने से पूर्व दूसरा अभिम मंजूर किया गया हो तो ऐसे किसी पूर्ववर्ती अभिम का प्रतिरोध की, जो बसूल न हुआ हो, इस प्रकार मंजूर किए गए अभिम के साथ जोड़ा जाएगा और बसूली की किश्त उस सम्बन्धित रकम के सदर्थ में निर्धारित की जाएगी।

(4) वह सदस्य, जिसे निधि से अभिम मंजूर किया गया है, मंजूरी-कर्ता प्राधिकारी को तीन महीने की अवधि के भीतर इस बात से संतुष्ट करेगा कि राशि का उसी प्रयोजन के लिए प्रयोग किया गया है जिसके लिए वह मंजूर की गई थी और यदि ऐसा करने में असफल रहता है तो इस प्रकार मंजूर की गई सम्पूर्ण राशि या उसके उतने अंश को जो उक्त प्रयोजन में नहीं लगा जिसके लिए मंजूर किया गया था, निधि के सदस्य द्वारा अधिनियम 22 के उपबिधियम (3) के अधीन विनिश्चित त्र पर ब्याज के साथ एक मूश में तत्काल वापस अदा किया जाएगा और ऐसी अदायगी में भूक होने पर मंजूरीकर्ता प्राधिकारी उस सदस्य की परि-अवस्थियों में से या तो एक मूश में या उतनी मासिक किश्तों में, जो ऐसा प्राधिकारी अवधारित कर, बसूली किए जाने का आदेश देगा।

23. अभिम की बसूली :—(1) अभिम की बसूली सदस्य से उतनी समान मासिक किश्तों में की जाएगी जितनी का मंजूरीकर्ता प्राधिकारी निवेश दे, किन्तु वे किश्तें बारह से कम, जब तक कि सदस्य बैसा चयन न करे और छत्तीस से अधिक नहीं होगी। सदस्य अपनी मर्जी से किसी मास में एक से अधिक किश्तों की अदायगी कर सकता है। प्रत्येक किश्त पूर्ण रूपों से नियत की जाएगी और यदि आवश्यक हो तो इस प्रकार किश्तों को नियत करने के लिए अभिम की राशि को बढ़ाया या घटाया जा सकेगा।

(2) बसूली उप विनियम (1) में उपबंधित रीति से की जाएगी और जिस माह से अभिम लिया गया है उसके पञ्चात् उस प्रथम मास से, जिसमें सदस्य पूर्ण मास का वेतन प्राप्त करता है, प्रारम्भ की जाएगी। परन्तु अभिम की बसूली सदस्य की सहमति के बिना उस दशा में नहीं की जाएगी जब उसे जीवन निर्वाह यत्नदान मिला रहा है या बीमारी की दृष्टि पर है और/या सात दिन से अधिक की असाधारण दृष्टि पर है।

(3) अभिम पर ब्याज लिया जाएगा और उसे आयकर नियम 1962 के नियम 71 के उपबंधों के अनुसार वसूल किया जाएगा।

24. आवासीय मकान/प्लैट अथवा इस प्रयोजन के लिए उचित भूमि अर्जन समेत आवासीय मकान के निर्माण के लिए फंड से प्रत्याहरण :—
(1) बोर्ड, सदस्य से निर्धारित प्रण में आवेदन प्राप्त होने पर तथा इस विनियम में निर्धारित शर्तों के अधीन, फंड में सदस्य के खाते में जमा धनराशि में से प्रत्याहरण की मंजूरी दे सकता है :—

(क) अन्वयों के साथ संयुक्त स्थापित्व के मकान में (तकद भुगतान अथवा किश्तों पर लिए गए) प्लैट सहित आवासीय मकान/प्लैट खरीदने के लिए अथवा केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, कोपरेटिव सोसायटी, संस्थान, न्यास, स्थानीय निकाय, आवास भित्त निगम (इसके पञ्चात् जिनका उल्लेख इसमें अन्य एजेंसी/एजेंसियों के रूप में किया जाएगा) से इस प्रयोजन के लिए अर्जित की गई उपायुक्त भूमि नयेन आवासीय मकान के निर्माण के लिए;

अथवा

(ख) आवासीय मकान के निर्माण के प्रयोजन के लिए आवासीय भूमि या किसी व्यक्ति से बना बनाया आवासीय मकान/प्लैट खरीदने के लिए;

(ग) सदस्य अथवा सदस्य की पति या पत्नी अथवा सदस्य तथा सदस्य के पति या पत्नी के संयुक्त स्थापित्वयुक्त भूमि पर आवासीय मकान का निर्माण करने के लिए अथवा ऐसी भूमि पर सदस्य या सदस्य के पति या पत्नी द्वारा पहले से आरम्भ किए गए आवासीय निर्माण को पूरा करने/जारी रखने के लिए अथवा उपरोक्त अण्ड "क" और "ख" के अन्तर्गत सदस्य तथा सदस्य के पति या पत्नी के संयुक्त नाम से मकान/प्लैट खरीदने के लिए।

स्पष्टीकरण :—1. इस अनुच्छेद में "कोपरेटिव सोसायटी" में तात्पर्य पंजीकृत सोसायटी अथवा कोपरेटिव सोसायटी अधिनियम, 1912 (1912 का 2) के तहत पंजीकृत अथवा कोपरेटिव सोसायटी संबंधित किसी राज्य में अस्थायी रूप से लागू किसी अन्य कानून के द्वारा पंजीकृत सोसायटी से है।

2. प्रत्याहरण की राशि, सदस्य के वेतन के 36 गुणा अथवा विनियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य निपेक्षता के हिस्से के अंशदान सहित सदस्य की अपने अंशदान में से, इस प्रयोजन के लिए भुगतान की प्राधिकृत तिथि को ब्याज सहित जमा राशि से अधिक की अनुमति नहीं होगी, अथवा आवासीय भूमि को अर्जित करने (निर्माण की लागत सहित) या आवासीय मकान/प्लैट के खरीदने अथवा आवासीय मकान की वास्तविक लागत, इनमें से जो भी कम हो, को प्रत्याहरित कर सकता है।

3. वास्तविक लागत में अर्जित आवासीय भूमि अथवा आवासीय मकान/प्लैट की खरीद में ऐसी भूमि, मकान/प्लैट के पंजीकरण के लिए देय प्रभार भी शामिल हैं।

(2)(क) इस अनुच्छेद के अन्तर्गत कोई उस समय तक प्रत्याहरण नहीं किया जाएगा जब तक कि :

(i) सदस्य ने फंड की सदस्यता के पांच वर्ष पूरे कर लिए हों;

(ii) इस फंड में सदस्य के अपने खाते में जमा राशि में स सदस्य के ब्याज सहित अपने हिस्से के अंशदान की राशि एक हजार रुपए से कम न हो;

(iii) आवासीय भूमि या आवासीय मकान/प्लैट या निर्माणाधीन मकान सभी प्रभारों से मुक्त होगा :

बशर्ते कि जहाँ आवासीय भूमि या आवासीय मकान/प्लैट के खंड (क) के उप-विनियम (1) में उल्लिखित किसी एजेंसी को निर्वाह, आवासीय मकान/प्लैट खरीदने; आवासीय मकान के लिए भूमि अर्जित

करने सहित आवासीय मकान के निर्माण के लिए फंड प्राप्त करने के लिए रखा गया है। ऐसी आवासीय भूमि या आवासीय मकान/प्लैट हो, जैसा भी मामला हो, को अणुभार संपत्ति नहीं समझा जाएगा।

बशर्ते कि आवासीय मकान/प्लैट के निर्माण के लिए स्थायी पट्टे या पट्टे पर अर्जित की गई भूमि तीस वर्ष की अवधि से कम नहीं ली जाएगी अथवा ऐसी पट्टाकृत भूमि पर निम्न मकान/प्लैट को भी अणुभार संपत्ति नहीं समझा जाएगा।

बशर्ते कि जहाँ पर आवासीय मकान/प्लैट की भूमि उपविनियम (1) के खंड (क) में उल्लिखित किसी एजेंसी के नाम पर है तथा ऐसी एजेंसी की पूर्वानुमति के बिना आर्बटिरी आवासीय मकान/प्लैट के स्थानांतरित अथवा बेचने के लिए प्रतिबंधित है। इसका तथ्य मात्र यह है कि आर्बटिरी के पास मकान/प्लैट के पूर्णतः स्वामित्व का अधिकार नहीं है और भूमि एजेंसी के नाम पर है। विनियम (1) के खंड (क) के अन्तर्गत प्रत्याहरण पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा। यदि इस विनियम में उल्लिखित अन्य सभी शर्तें पूरी हो जाती हैं।

(ख) संयुक्त संपत्ति में हिस्सा खरीदने अथवा संयुक्त स्वामित्व वाली भूमि पर मकान का निर्माण, पति या पत्नी द्वारा संयुक्त रूप से स्वामित्व वाली भूमि को छोड़कर, प्रत्याहरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. उप विनियम (2) में वर्णित सीमाओं के अन्तर्गत यह है:—

(क) कि उप विनियम (1) के खंड (क) में उल्लिखित एजेंसी से आवासीय भूमि खरीदने के लिए प्रत्याहरण का भुगतान सबसे कम करके सदस्य द्वारा प्राधिकृत एक या अधिक किश्तों में सीधे ही एजेंसी को किया जाएगा।

(ख) कि आवासीय मकान के निर्माण के लिए प्रत्याहरण की मंजूरी धनराशि की किश्तों की संख्या, अध्यक्ष के अनुसार की जाएगी;

(ग) किसी व्यक्ति विशेष या किसी एजेंसी से आवासीय मकान के निर्माण के प्रयोजन के लिए आवासीय भूमि के लिए प्रत्याहरण किया गया तो राशि का भुगतान कम से कम दो बराबर किश्तों में किया जाएगा। पहली किश्त आवासीय भूमि के अर्जन के समय तथा शेष आवासीय भूमि पर आवासीय मकान का निर्माण करते समय उनके अनुरोध करने पर।

(घ) कि आवासीय मकान के निर्माण के लिए प्रत्याहरण की मंजूरी प्रदान की गई है वहाँ पहली किश्त के प्रत्याहरण के छह माह के भीतर निर्माण कार्य आरम्भ हो जाना चाहिए और अंतिम किश्त के प्रत्याहरण के 12 माह में निर्माण कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए। जहाँ आवासीय मकान/प्लैट खरीदने या आवासीय मकान/प्लैट अर्जित करने अथवा आवासीय भूमि अर्जित करने या खरीदने, जैसा भी मामला हो, से संबंधित कार्यवाई में राशि के प्रत्याहरण के छह माह में पूर्ण हो जाना चाहिए।

कि यह प्रावधान, किश्तों पर खरीदे जाने वाले आवासीय मकान/प्लैट के मामले या जहाँ सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों की ओर से आवासीय मकानों के लिए भूमि का अर्जन या सदस्यों की आर्बटिरी कर के लिए मकानों का निर्माण करती हैं, लागू नहीं होगा।

(5) उप विनियम (6) में विनिर्दिष्ट मामलों के अतिरिक्त इस नियम के अन्तर्गत सदस्य के लिए और कोई प्रत्याहरण स्वीकार्य नहीं होगा।

(6) सदस्य या पति या पत्नी या सदस्य या पति या पत्नी द्वारा संयुक्त रूप से स्वामित्व वाले आवासीय मकान के लिए आवश्यक निर्माण, पर्याप्त रहोबदल अथवा सुधार करने के लिए 12 माह के मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते या फंड में उसके नाम से जमा ब्याज समेत बकाया राशि जो भी कम हो, की केवल एक बार तथा एक किश्त में अनिवार्य प्रत्याहरण प्रदान किया जा सकता है।

बशर्ते कि प्रत्याहरण आवासीय मकान का निर्माण पूरा होने की दिनांक से पांच वर्ष की अवधि बाद ही ग्राह्य होगा।

(7) सदस्य निरीक्षण के लिए आवश्यक स्वामित्व पट्टा व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करेगा जोकि प्रत्याहरण प्रदान करने के पश्चात् सदस्यों को लौटा दिए जाएंगे।

(8) (क) यदि इन विनियमों के अन्तर्गत मंजूरी की गई प्रत्याहरण की धनराशि, वास्तव में मंजूर के प्रयोजन पर भुल किए गए व्यय की राशि से अधिक है तो उस स्थिति में बची हुई राशि, आवासीय मकान खरीदने या निर्माण कार्य या आवश्यक अतिरिक्त निर्माण रहोबदल या सुधार कार्य के पूरा होने, जैसा मामला हो, के 30 दिन के भीतर सदस्यों का फंड में एक पुरत जमा करवायी होगी। उक्त हिस्से की प्रत्याहरण की सीमा तक वापिस की गई धनराशि को फंड में सदस्य खाते में निवेशता के अंशदान के हिस्से में जमा किया जाएगा, अधिशेष यदि कोई हो, को इस खाते के अंशदान में सदस्यों के हिस्से में जमा किया जाएगा।

(ख) यदि किसी सदस्य को—

(i) आर्बटिरी आवासीय भूमि आवासीय मकान प्लैट न मिलने पर;

या

(ii) सदस्य का आर्बटिरी निरस्त होने पर; या

(iii) आवासीय भूमि अर्जित न करवाने की वजह से; या

(iv) किसी व्यक्ति विशेष से आवासीय मकान प्लैट खरीदने पर;

या

(v) आवासीय मकान का निर्माण न करने पर;

सदस्य इस विनियम के उप नियम (1) के खंड (क) में उल्लिखित किसी एजेंसी या इस विनियम के अन्तर्गत उसे प्रदान की गई प्रत्याहरण की धनराशि जैसा भी मामला हो एक भुगतान और अध्यक्ष द्वारा निविष्ट तरीके से वापस जमा करने के लिए उत्तरदायी होगा।

(9) यदि अध्यक्ष संतुष्ट हो जाए कि इस उप विनियम के अन्तर्गत प्रदान किया गया प्रत्याहरण उस प्रयोजन के लिए प्रयोग नहीं किया गया जिस प्रयोजन के लिए प्रदान किया गया था या सदस्य आर्बटिरी को स्वीकार करने से मना कर दे या आवासीय भूमि अर्जित करने से मना कर दे या प्रत्याहरण की शर्तें पूरी नहीं की गई हो या उचित आशंका हो कि उनको पूर्णतः या अंशतः पूरा नहीं किया गया अथवा उप विनियम (8) के खंड (क) की शर्तों के अनुसार अतिरिक्त रकम को लौटाया नहीं गया या उप विनियम (1) के खंड (क) में उल्लिखित किसी एजेंसी द्वारा सदस्य को वापिस की गई राशि तथा उप विनियम (8) के खंड (ख) की शर्तों के अनुसार वापिस न की गई तो अध्यक्ष तत्काल सदस्य के वेतन से दो प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज की दर से जुमाना राशि वसूल करने के लिए कदम उठाए। ऐसी वसूली की किश्तें अध्यक्ष द्वारा निश्चित की जाएगी। अध्यक्ष नियोजता को सदस्य के वेतन में से ऐसी किश्तों की कटौती के लिए निर्बंध दे सकता है। ऐसे निर्देश प्राप्त करने के बाद नियोजता इसी के अनुसार किश्तों की कटौती करेगा। कटौती की गई राशि नियोजता के निर्देशानुसार समय और तरीके से अध्यक्ष को भेजी जाएगी। उक्त हिस्से कली प्रत्याहरण की सीमा तक वापिस की गई धनराशि को फंड में सदस्य के खाते में निवेशता के अंशदान के हिस्से में जमा किया जाएगा, अधिशेष यदि कोई हो, को इस खाते के अंशदान में सदस्य के हिस्से में जमा किया जाएगा। ब्याज के जुमाने की राशि को इंटररेस्ट सर्वेस लेखा में जमा कराया जाएगा।

(10) इस विनियम के तहत प्रत्याहरण का सदस्य द्वारा वृत्तपयोग किया गया तो उसे इस विनियम के तहत आगे से उक्त प्रत्याहरण की

निधि से तीन वर्ष की अवधि तक प्रत्याहरण नहीं किया जाएगा तथा न्याज का जुमाना भी लगेगा।

5. प्रीमियम की अदायगी के लिए प्रत्याहरण :—

(क) बोर्ड किसी सदस्य द्वारा अपनी या अपने जीवन साथी की जीवन बीमा पालिसियों के प्रीमियम की अदायगी के लिए अभिव्यक्ति अधिधान में उसके बाने में जमा राशि से राशि प्रत्याहृत करने की संज्ञा दे सकता है।

परन्तु कोई भी राशि तब तक नहीं निष्काली जाएगी :—

(क) जब तक पालिसी के विवरण पहले बोर्ड के पास प्रस्तुत न कर दिए जाएं और बोर्ड द्वारा उसे उपयुक्त रूप में स्वीकार न कर दिया जाए

(ख) जब तक कि पालिसी न्यासियों को समुचित न हो और किसी बीमा कम्पनी द्वारा अनुवृत्त रसीदें समय-समय पर निरीक्षण के लिए न्यासियों को प्रस्तुत न की जाएं, या

(ग) यह राशि प्रीमियम अदा करने की राशि से अधिक हो,

(घ) (i) प्रत्याहरण के समय कर्मचारी के तीन मास के वेतन या (ii) कर्मचारी के बाने में आयकर से छूट प्राप्त अधिवान के संकलन और न्याज की कुल राशि, जो प्रति शेष रकम है, इनमें से जो भी कम है, से अधिक हो।

(ङ) तब तक प्रत्याहृत नहीं की जाएगी जब तक कि उस पालिसी का प्रीमियम, जिसके संबंध में प्रत्याहरण अनुज्ञेय है, वार्षिक रूप से संदेय नहीं है।

परन्तु यह भी कि यदि ऐसी कोई पालिसी कर्मचारी के प्राधिकरण की सेवा में न रहे जाने के पूर्व ही भुगतान के लिए परिपक्व या अन्यथा देय हो जाती है तो उसके अन्तर्गत प्राप्त या प्राप्य राशि सदस्य के बाने से निकाली गयी राशि के सीमा तक या बीमा पालिसी के लिए प्राप्त रकम तक, इनमें से जो भी कम हो और प्रतिशेष, यदि कोई हो, का संदाय पालिसी के अधीन लाभग्राही को किया जाएगा।

और यह भी कि यदि कोई सदस्य, जिसने इस विनियम के अधीन कोई रकम निकाली है, इस प्रकार रकम निकालना बंद करने का विकल्प देता है तो उसके द्वारा बीमा प्रीमियम के भुगतान के लिए इस प्रकार निकाली गई कुल राशि की निधि में उसके बाने में प्रतिपूर्ति की जाएगी और न्यासियों को, यथास्थिति, समुचित या उनके पास अमा की गयी पालिसी तब तक उन्हें समुचित या आपिस नहीं की जाएगी जब तक कि निकाली गयी रकम इस प्रकार पूरी नहीं कर दी जाती।

26. किसी अधिम का प्रत्याहरण में संपरिवर्तन :—कोई सदस्य जिसने विनियम 22 के अधीन पहले ही कोई अधिम रकम निकाली हुई है, अपने विवेकानुसार, सचिव के माध्यम से समापति को लिखित अनुरोध द्वारा, उसके प्रति बकाया प्रतिशेष को, विनियम 22 में निर्धारित शर्तों को उसके द्वारा पूरा किए जाने पर अन्तिम रूप से रकम निकालने में संपरिवर्तित करवा जा सकता है।

27. निधि में संघर्षों का अन्तिम रूप के प्रत्याहरण :—जब कोई सदस्य प्राधिकरण की सेवा छोड़ देता है तब निधि में उसके नाम में जमा भविष्य अतिशेष, आयकर अधिनियम के उपबंध के अनुसार उसके द्वारा देय और संदेय आयकर की कटौती और विनियम 29 के अधीन किसी कटौती के अधीन रहने हुए, उसे संदेय हो जाएगी।

(2) जहां कोई सदस्य केन्द्रीय या राज्य सरकार या किसी स्थायत संगठन या सोसायटी या पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अंतर्गत पंजीकृत किसी सोसायटी या मार्गजितिक उपक्रम आदि में रोजगार के लिए प्राधिकरण की अनुज्ञा ने सेवा छोड़ देता है तो निधि में उसके नाम जमा रकम का प्रतिशेष उसे संदेय नहीं होगा अपितु उसके तब

नियोजक को, यदि उस नियोजक के भविष्य निधि नियम ऐसे अंतरण की अनुमति देते हैं, अंतरित कर दिया जाएगा।

(3) जब कोई सदस्य सेवा-निवृत्ति से पूर्व छुट्टी पर चला जाता है तो निधि में उसके नाम जमा अधिवान की राशि और उसके बाने में जमा उस राशि के न्याज का 75 प्रतिशत उसकी और से प्राधिकरण को आवेदन किए जाने पर, भुगतान कर दिया जाएगा।

(4) स्थापना में कटौती के कारण छूटनी पर।

28. सदस्य की मृत्यु पर प्रक्रिया :—सदस्य के नाम जमा रकम के संदेय हो जाने के पूर्व या यदि रकम संदेय हो गयी है तो संदाय किए जाने से पूर्व उसकी मृत्यु हो जाने पर विनियम 29 के अधीन किसी कटौती के अधीन रहने हुए :—

(1) यदि विनियम 21 के अनुसार सदस्य द्वारा कोई नामजदगी विद्यमान है तो निधि में उसके नाम जमा राशि या उसका वह भाग जिससे नामजदगी का संबंध है, ऐसी नामजदगी के अनुसार उसके द्वारा नामित व्यक्ति या व्यक्तियों को संदेय हो जाएगी, या

(2) यदि ऐसी कोई नामजदगी विद्यमान नहीं है या यदि ऐसे नामांकन का संबंध निधि में उसके नाम जमा रकम के किसी एक भाग से है तो, यथान्यति सारी रकम या उसका वह भाग, जिससे नामांकन का संबंध नहीं है, उसके कुटुम्ब के सदस्यों को बराबर-बराबर अंशों में संदेय हो जाएगा;

टिप्पण :—यदि उपर्युक्त खण्ड के अधीन किसी अवयस्क बालक को कोई अंश संदेय हो जाता है तो उसकी अदायगी, नैमगिक संरक्षक होने के नाते बिना किसी क्षतिपूर्ति बंधन के उसके जीवित माता-पिता को कर दी जायेगी,

यदि उसके कुटुम्ब का खण्ड (क), (ख), (ग) और (घ) ने निनिर्दिष्ट सदस्यों से भिन्न कोई सदस्य विद्यमान है तो कोई भी अंश निम्नलिखित को संदेय नहीं होगा :—

(क) वह पुत्र जो व्यस्क हो गया है,

(ख) मृतक पुत्र का पुत्र जो व्यस्क हो गया है,

(ग) विवाहित पुत्री जिसका पति जीवित है,

(घ) मृतक पुत्र की विवाहित पुत्री, जिसका पति जीवित है,

(ङ) क्रम सं. (क)(ख)(ग) और (घ) में निर्दिष्ट के अलावा परिवार का कोई सदस्य

परन्तु यह और कि मृतक पुत्र की विधवा या विधवाएं और संतान या संतानें अपने में अकेला बही अंश, बराबर-बराबर भागों में प्राप्त करेंगे जो अंश उस पुत्र ने तब प्राप्त किया होता जब वह सदस्य का उत्तरजीवी होता और अभिवाता की मृत्यु के समय वयस्कता की आयु नहीं अभिप्राप्त कर लिए होता।

(3) किसी ऐसे मामले में जिस पर खण्ड (1) और (2) के उपबंध लागू नहीं होते, सारी रकम वैध रूप से उनके लिए हकदार व्यक्ति को संदेय हो जायेगी।

स्पष्टीकरण :—इस विनियम के प्रयोजन के लिए किसी सदस्य की मरणोपरांत संतान, यदि वह जीवित पैदा होती है, उसी रीति से मानी जाएगी जैसे कि वह सदस्य की मृत्यु के पूर्व जीवित संतान हों।

29. कटौतियाँ :—(1) इस शर्त के अधीन रहने हुए कि ऐसा कोई कटौती नहीं की जाएगी जिससे कि निधि में सदस्य के नाम जमा रकम का उस निधि से संदाय किए जाने से पूर्व उसमें प्राधिकरण द्वारा जमा

किसी अंशदान और उस पर ब्याज की रकम से अधिक रकम निकल आये, अध्यक्ष उसमें से निम्नलिखित कटौती करने का निर्देश दे सकता है :-

(क) पिछले दो वर्षों के नियोक्ता के अंशदान की धनराशि के साथ-साथ उस राशि पर लगाया गया ब्याज, यदि सदस्य को निम्न के कारण प्राधिकरण की सेवा से पदच्युत कर दिया जाता है :-

(i) जालसाजी.

(ii) प्राधिकरण के परिसर में उपद्रव अथवा हिंसात्मक व्यवहार करना

(iii) प्राधिकरण की किसी सम्पत्ति की चोरी अथवा तोड़फोड़ करना,

(iv) खण्ड (i), (ii) और (iii) में यथानिर्दिष्ट उपरोक्त कदाचार कार्यों के कारण निलम्बनाधीन कर्मचारियों पर भी यही लागू होगा।

(ख) प्राधिकरण से स्वेच्छा से त्यागपत्र पर यदि सदस्य कोई धनराशि निकालता है, तो निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे :-

(i) फंड में उसकी सदस्यता की अवधि तीन वर्ष से कम होने पर, नियोक्ता के अंशदान और उस पर लगे ब्याज की राशि का 75 प्रतिशत फंड में ही अवशेषित रहेगा, अथवा

(ii) फंड में उसकी सदस्यता की अवधि 3 वर्ष या अधिक परन्तु 4 वर्ष से कम होने पर, नियोक्ता के अंशदान और उस पर लगे ब्याज की राशि का 50 प्रतिशत फंड में ही अवशेषित रहेगा, अथवा

(iii) फंड में उसकी सदस्यता की अवधि 4 वर्ष या अधिक परन्तु 5 वर्ष से कम होने पर, नियोक्ता के अंशदान और उस पर लगे ब्याज की राशि का 25 प्रतिशत फंड में ही अवशेषित रहेगा।

(ग) सदस्य द्वारा प्राधिकरण के प्रति उपगत शायित्व के अधीन देय कोई रकम.

(2) उपविनियम (1) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन कटौती की गयी सारी रकम निधि को व्ययगत हो जाएगी

(3) उपविनियम (1) के खण्ड (ग) के अधीन कटौती की गयी सारी रकम का प्राधिकरण के खाने में भुगतान किया जायेगा।

30. निधि में रकम का भुगतान करने की रीति :- (1) जब निधि में सदस्य के नाम जमा कोई रकम अथवा, विनियम 29 के अधीन की गयी कटौती के पश्चात् बचा, उसका अतिशेष संदेय हो जाता है तब सचिव का या इस निमित्त सभापति द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि संदेय रकम के सही होने के संबंध में अपने को संतुष्ट करने के पश्चात् उप विनियम (3) में यथा उपबंधित इस निमित्त लिखित आवेदन प्राप्त होने पर भुगतान करें।

(2) यदि वह व्यक्ति, जिसे इन विनियमों के अधीन कोई रकम संदेय है "पागल" है और जिसकी सम्पदा के लिए भारतीय पागलपन अधिनियम, 1912 (1912 का 4) के अधीन प्रबंधक नियुक्त किया गया है तो भुगतान ऐसे प्रबंध को किया जाएगा न कि पागल को।

(3) कोई व्यक्ति जो इस विनियम के अधीन भुगतान का दावा करना चाहता है, उस निमित्त सचिव को या सभापति द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को, ऐसे फार्म में जो बोर्ड निर्धारित करे, लिखित आवेदन भेजेगा। निकाली गयी रकमों का भुगतान केवल भारत में ही किया जाएगा। ऐसा व्यक्ति जिसे रकम देय है, भारत में ही भुगतान प्राप्त करने की व्यवस्था करेगा।

अध्याय—3

परिवार पेंशन योजना

31. परिवार पेंशन की सदस्यता :- यह योजना ऐसे प्रत्येक कर्मचारी पर लागू होगी जो कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि का सदस्य बन जाता है बशर्ते कि वह 3500/- रुपए प्रतिमास से अधिक वेतन नहीं पा रहा है।

परन्तु यदि किसी कर्मचारी ने, प्राधिकरण की सेवा में आने के पूर्व किसी कारखाने या अन्य प्रतिष्ठान में सेवा करने समय पहले कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के अधीन परिवार पेंशन योजना, 1971 के लिए, यथा उपबंधित रूप में विकल्प देने का निश्चय नहीं किया है तो वह इन विनियमों के लागू करने की तारीख से तीन मास के भीतर, प्राधिकरण की परिवार पेंशन योजना में सम्मिलित न होने का विकल्प दे सकता है।

32. सदस्यता का प्रतिधारण :- परिवार पेंशन योजना का कोई सदस्य अधिकविता की आय प्राप्त करने के या सेवा निवृत्त होने तक या सेवा छोड़ने तक और उन फायदों को निकालने या निकालने के लिए हकदार होने तक जिनके लिए वह उस योजना के अधीन हकदार है या संगणनीय सेवा की अवधि के दौरान उसकी मृत्यु हो जाती है, उसमें से जो भी पूर्ववर्ती हों, परिवार पेंशन योजना का सदस्य बना रहेगा।

स्पष्टीकरण :- जैसे ही किसी कर्मचारी का वेतन 3500/- रुपए प्रतिमास से अधिक हो जाता है उसके लिए स्वयंसेव ही परिवार पेंशन योजना को छोड़ने का विकल्प दिया गया तबत्र लिया जाएगा।

33. शंका का समाधान :- यदि ऐसा कोई प्रश्न उठता है कि कोई कर्मचारी परिवार पेंशन योजना का सदस्य बनने के लिए हकदार है या नहीं, तो उस पर स्यासी बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा परन्तु कोई भी निर्णय तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि कर्मचारी की बात को सुना न गया हो।

34. फीस और भत्ते :- परिवार पेंशन योजना के प्रशासन से संबंधित सभी व्यय, जिनमें निधि के प्रशासन के प्रयोजन के लिए नियुक्त किए कर्मचारीवृत्त के वेतन और भत्ते भी सम्मिलित हैं, विनियम II में निर्दिष्ट प्रकार से, प्राधिकरण द्वारा वहन किए जाएंगे।

35. परिवार पेंशन निधि :- (1) विनियम 16 में निर्धारित रीति से हर महीने में भविष्य निधि में सदस्यों द्वारा संश्लेषित अंशदानों और प्राधिकरण द्वारा संश्लेषित अंशदानों में से कर्मचारी के वेतन का 1.16 प्रतिशत अंशदान की और प्राधिकरण के अंशदान की 1.16 प्रतिशत ही समान राशि को पुष्कल रूप से रखी जाएगी और कुटुम्ब पेंशन निधि में जमा किया जाएगा।

(2) प्राधिकरण परिवार पेंशन योजना के सदस्यों के वेतन 1.16 प्रतिशत की दर से भी अंशदान करेगा और उसे कुटुम्ब पेंशन निधि खाते में जमा करेगा।

(3) उप विनियम (1) और (2) के अधीन संश्लेषित अंशदान मासिक वेतन के आधार पर संगणित किए जाएंगे।

(4) उप विनियम (1) और (2) के अधीन संश्लेषित प्रत्येक अंशदान की संगणना रुपए के निकटतम, 50 पैसे या इससे अधिक की रुपए के रूप में संगणना की जाएगी। 50 पैसे से नीचे रुपए के किसी भ.ग. की गणना नहीं की जाएगी।

36. परिवार पेंशन योजना के प्रारंभ होने के समय पहले से ही नियुक्त व्यक्तियों द्वारा दिए जाने वाले विवरण : 5 प्रत्येक ऐसे व्यक्ति से, जो परिवार पेंशन योजना का सदस्य बनने का पात्र है, प्राधिकरण

इन विनियमों में अनुबंध फार्म "क" पर उनके और उनके कुटुम्ब के संबंधित विवरण गुरुतः प्रस्तुत करने के लिए रहेगा और इस प्रकार योग्य किए जाने पर वह ऐसे विवरण प्रस्तुत करेगा।

37. खाता संस्था का आवंटन:—परिवार पेंशन योजना के प्रत्येक सदस्य को अलग-अलग खाता संस्था आवंटित की जाएगी।

38. परिवार पेंशन निधि खाता:—परिवार पेंशन योजना में प्राधिकरण के और कर्मचारियों के अंशदान के रूप में और प्राधिकरण के अपने अंशदान के रूप में भी प्राप्त सम्पूर्ण राशि एक खाते में जमा की जाएगी जिसका नाम "परिवार पेंशन निधि खाता" होगा।

39. विनियोजन:—निधि की सारी राशि को समय-समय पर अंशोचित और आयकर नियम, 1962 के नियम 67 के अधीन विनिर्दिष्ट रीति में जमा किया जाएगा।

40. निधि का निपटारा:—(1) इस योजना के अधीन परिवार पेंशन और अन्य लाभकारी मदों संबंधी सभी भुगतान को उक्त खाते में जमा जाएगा।

(2) इस योजना के अधीनवर्ती विनियमों के उपबंधों के अंतर्गत रहते हुए, विनियम 38 में निर्दिष्ट परिवार पेंशन निधि की राशि, प्राधिकरण की पूर्ण मजूरी के, कुटुम्ब पेंशन निधि के सदस्यों या उनके कुटुम्ब के व्यक्ति को यथा अनुज्ञेय फायदों के भुगतान के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए खर्च नहीं की जाएगी।

41. लेखों के फार्म:—परिवार पेंशन योजना के लेखों का संधारण ऐसे फार्मों और इस प्रकार से किया जाएगा जैसा प्राधिकरण निर्धारित करे।

42. लेखा परीक्षा:—परिवार पेंशन योजना के लेखों की लेखा परीक्षा प्राधिकरण के लेखों की लेखा परीक्षा करने वाले प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

43. कुटुम्ब पेंशन निधि खाते का संधारण:—(1) "परिवार पेंशन निधि खाता" नाम का एक खाता इस प्रकार खोला और रखा जाएगा जैसा प्राधिकरण के अनुमोदन से बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

44. परिवार पेंशन की दर:—(1) ऐसे सदस्य के मामले में जिसकी मृत्यु अधिकविता की आयु प्राप्त होने के पूर्व ही संगणनीय सेवा की अवधि के दौरान हो जाती है, कुटुम्ब पेंशन का भुगतान नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट दरों पर किया जाएगा बशर्ते कि कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिए कुटुम्ब पेंशन योजना का सदस्य रहा हो।

टिप्पणी:—ऐसे मृत्युपूर्व सरकारी कर्मचारियों, जिन्हें 2-10-1999 तक प्राधिकरण की सेवा में रखा लिया गया था और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों, जिन्होंने उन उपक्रमों में अपनी सेवा के अनुक्रम में उस तारीख तक प्राधिकरण में कार्य प्रारंभ कर दिया था, के मामले में सरकारी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में उसके द्वारा की गयी मृत्युपूर्व सेवा की दो वर्ष की अवधि के लिए गणना में लिया जाएगा।

सारणी

सदस्य का प्रतिमास वेतन	पेंशन की मासिक दर
1. 3000/- रुपए से अधिक	वेतन का 15 प्रतिशत, न्यूनतम 600/- रुपए और अधिकतम 1250/- रुपए
2. 1500/- रुपए से अधिक परन्तु 3000/- रुपए से अधिक नहीं	वेतन का 20 प्रतिशत, न्यूनतम 450/- रुपए
3. 1500/- रुपए से अधिक नहीं।	वेतन का 30 प्रतिशत, न्यूनतम 375/- रुपए।

(2) यदि संगणनीय सेवा की अवधि के दौरान सदस्य की मृत्यु होने के समय कोई सदस्य पूर्ण वेतन नहीं पा रहा था, तो उस अवधि के दौरान उसके द्वारा प्राप्त अंतिम पूर्ण वेतन की दर को उपर्युक्त निर्धारण के लिए हिसाब में लिया जाएगा।

(3) जहां किसी ऐसे सदस्य को, जो इस परिवार पेंशन निधि का कम से कम सात वर्ष की अवधि के लिए सदस्य रहा है, संगणनीय सेवावधि के दौरान मृत्यु हो जाती है तो कुटुम्ब पेंशन की उपर्युक्त दर निम्नलिखित उपान्तर्णों के अधीन होगी:

(क) मृत्यु की तारीख से सात वर्ष की अवधि के लिए या उस तारीख तक जिस तारीख को परिवार पेंशन योजना का सदस्य 58 वर्ष की आयु, यदि जीवन रहता, प्राप्त कर लेता। इनमें से जो भी अवधि कम हो, परिवार पेंशन अंतिम बार प्राप्त किए गए पूर्ण वेतन के पचास प्रतिशत की दर पर संदेय होगी। परन्तु सारणी में उल्लिखित परिवार पेंशन के दो गुने से अधिक नहीं होगी।

टिप्पणी:—ऐसे मृत्युपूर्व सरकारी कर्मचारियों, जिन्हें 2-10-89 तक प्राधिकरण की सेवा में रखा लिया गया था और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के कर्मचारियों, जिन्होंने उन उपक्रमों में अपनी सेवा के अनुक्रम में उन तारीख तक प्राधिकरण में कार्य प्रारंभ कर दिया था, के मामले में सरकार अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में उनके द्वारा की गयी मृत्युपूर्व सेवा की सात वर्ष की अवधि के लिए गणना में लिया जाएगा।

(ख) "क" में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात परिवार पेंशन उनी दर पर संदेय होगी जो सारणी में उल्लिखित है।

45. परिवार पेंशन किसे संदेय होगी:—(1) विनियम 44 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, परिवार पेंशन निम्नलिखित को संदेय होगी:—

(क) विधवा या विधुर को उनकी मृत्यु का कुर्नविवाह, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, तारीख तक।

(ख) (क) के न हो सकने पर, सबसे बड़े जीवन अवयस्क पुत्र की तब तक जब तक कि वह 15 वर्ष का नहीं हो जाता है, और

(ग) (क) और (ख) के न हो सकने पर, सबसे बड़ी जीवित अधि-वाहित पुत्री को तब तक जब तक कि वह 21 वर्ष की नहीं हो जाती या उसका विवाह नहीं हो जाता, इनमें से जो भी पहले हो।

(2) परिवार पेंशन एक ही समय में एक से अधिक व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी;

टिप्पणी:—(1) उस दशा में, जहां दो या अधिक विधवाएं हैं, परिवार पेंशन सबसे बड़ी जीवित विधवा को संदेय होगी। इसकी मृत्यु होने पर उससे अगले वाली जीवित विधवा को यदि कोई है, संदेय हो जाएगी। "सबसे बड़ी" पद से विवाह की तारीख के संदर्भ से अर्थवत्ता अर्थवत्ता होगी।

(2) विधवा या विधुर के पुनर्विवाह या मृत्यु होने की दशा में पेंशन अवयस्क संतानों को उनके नैसर्गिक संरक्षक के माध्यम से दी जाएगी। परन्तु विवादास्पद मामलों में भुगतान कानूनी संरक्षक के माध्यम से दी जाएगी।

46. परिवार पेंशन की अदायगी का प्रारंभ —परिवार पेंशन उस मास से अगले ही महीने के आरंभ से देय हो जायेगी जिसमें सदस्य की मृत्यु होती है।

47. एक मुश्त लाभ —जहाँ परिवार पेंशन योजना के किसी सदस्य की संगणनीय सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है वहाँ एक मुश्त लाभ के रूप में 2500/- रुपये की मुश्त राशि विनियम 45 में उल्लिखित आवेश से उसके कुटुम्ब को देय होगी।

48. सेवा निवृत्ति फायदे —परिवार पेंशन निधि के ऐसे सदस्य को अधिवर्षिता की आय प्राप्त कर लेने पर जिसके कम में कम दो वर्ष की अवधि तक कुटुम्ब पेंशन निधि में अंशदान किया हो, 10,000/- रु. (दस हजार रुपये केवल) की एक मुश्त राशि दी जायेगी और तत्पश्चात् वह परिवार पेंशन निधि का सदस्य नहीं रहेगा।

टिप्पणी —(1) नेने भूतपूर्व सरकारी कर्मचारियों जिन्हें 2-10-89 तक प्राधिकरण की सेवा में खपा लिया गया था और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों जिन्होंने उन उपक्रमों में अपनी सेवा के अनुक्रम में उस तारीख तक प्राधिकरण में कार्य प्रारंभ कर दिया था, के मामले में सरकारी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम में उनके द्वारा की गई "भूतपूर्व की" दो वर्ष की अवधि के लिये गणना में लिया जायेगा।

(2) जहाँ परिवार पेंशन योजना के सदस्य की, जिसे उप-विनियम (1) के अधीन कोई राशि देय हो जाती है, उस राशि का वस्तुतः भुगतान किये जाने से पूर्व मृत्यु हो जाती है, उप-विनियम (1) के अधीन उसे भुगतान की जाने वाली एक मुश्त राशि का उसके कुटुम्ब के ऐसे सदस्य को देय हो जायेगा जो विनियम 45 के अधीन पेंशन प्राप्त करने के लिये हकदार हो जायेगा।

49. प्रत्याहरण का लाभ :—(1) मृत्यु के अन्य कारणों को वजह से अधिवर्षिता की आय प्राप्त होने से पहले ही परिवार पेंशन योजना से सदस्यता समाप्त हो जाने की अवस्था में, परिवार पेंशन योजना के सदस्य को निम्नलिखित लाभ प्राप्त होगा, अर्थात् कि उसने परिवार पेंशन निधि में कम से कम दो वर्ष तक अंशदान किया हो,

वाई—एक्स

$\times 10,000 \times \text{एफ}$

58—एक्स

"एक्स" प्रवेश के समय की आयु बताता है, "वाई" परिवार पेंशन निधि से सदस्यता की समाप्ति के समय की आयु की ओर संकेत करता है तथा "एफ" परिवार पेंशन निधि से सदस्यता की समाप्ति के समय रही आयु पर निर्भर करने वाला एक घटक है जैसा कि इस योजना की अनुसूची की सारणी-1 में दर्शाया गया है।

(2) परिवार पेंशन निधि में दो वर्ष का अंशदान पूरा होने के पूर्व ही परिवार पेंशन निधि से सदस्यता की समाप्ति हो जाने की दशा में परिवार पेंशन निधि के सदस्य को उसके द्वारा परिवार पेंशन निधि में किया गया अंशदान और उस पर साढ़े पांच प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से व्याज उसे लौटा दिया जायेगा।

50. 25 वर्ष की आयु हो जाने के पश्चात् परिवार पेंशन निधि में प्रविष्ट होने वाले सदस्यों के लिये लाभ :—जहाँ कोई व्यक्ति 25 वर्ष की आयु हो जाने के पश्चात् परिवार पेंशन निधि का सदस्य बनता है वहाँ उससे सेवा निवृत्ति प्रत्याहरण के लाभ, अनुसूची की सारणी 2 में प्रवेश की आयु के आधार पर किसी गुणज द्वारा गुणा करके, विनियम 48 और 49 में अंतर्विष्ट उपबन्धों के अनुसार देय होंगे। प्रतिनियुक्ति पर आये सरकारी कर्मचारियों के संबंध में जिन्हें बाद में प्राधिकरण में खपा लिया जाता है, उनकी उस समय की आयु जिस समय व प्रतिनियुक्ति पर आये थे, इस विनियम के प्रयोजन के लिए इस योजना का सदस्य होने की आयु के रूप में रखी जायेगी।

51. परिवार पेंशन और अन्य फायदों का संवितरण :—बोर्ड प्राधिकरण के अनुमोदन से इस निधि के अधीन कुटुम्ब पेंशन और अन्य फायदों के संवितरण के लिये डाकघरों, राष्ट्रीय कृत बैंकों या खजानों जैसे संवितरण अभिकरणों के साथ अनुबंध करेगा। संवितरण अभिकरणों का देय कमीशन और उससे संबद्ध अन्य अनुषंगिक प्रभारों की पूर्ति विनियम 35 के अधीन प्राधिकरण द्वारा अंशदान किये गये कुटुम्ब पेंशन निधि के भाग से की जायेगी।

52. रजिस्टर, अभिलेख आदि :—बोर्ड, प्राधिकरण के अनुमोदन से, कर्मचारियों के संबंध में रखे जाने के लिये रजिस्टर और अभिलेख अभिधान पत्र का फार्म या डिजाइन, किसी कर्मचारी के या उसके नामित व्यक्ति या कुटुम्ब पेंशन को प्राप्त करने के लिये हकदार कुटुम्ब के किसी सदस्य के अभिज्ञान के प्रयोजन के लिये टोकन या डिस्क और ऐसी अन्य औपचारिकताएं निर्धारित करेगा जो कुटुम्ब पेंशन और अन्य फायदों को दिये जाने या उनके बने रहने के संबंध में यथावश्यक समझे जाने वाले ऐसे सामयिक सत्यापन के अधीन रहते हुए, पूरी की जाती हैं।

53. निदेश जारी करने की शक्ति :—प्राधिकरण इस योजना के कार्यान्वयन में किसी कठिनाई को, जिसके अंतर्गत कुटुम्ब पेंशन और अन्य फायदों के संवितरण के मामलों की कठिनाइयां भी हैं, हल करने के लिये ऐसे निदेश जारी कर सकता है जो वह न्यायोचित और उचित समझे।

		1	2
54. शक्तियों का प्रत्यायोजन :—बोर्ड इन विनियमों के अधीन अपनी किसी भी शक्ति को, सभापति या किसी पदेन न्यासी या सचिव को, ऐसी शर्तों और उपांतरणों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह लागू करना ठीक समझे, प्रत्यायोजित कर सकता है।			
		25	0. 37
		26	0. 40
		27	0. 43
		28	0. 45
55. छूट :—इन विनियमों के उपबन्धों को किसी कर्मचारी या कर्मचारी वर्ग के संबंध में विशेष कारणों को लेखबद्ध करके, प्राधिकरण के अनुमोदन से छूट दी जा सकती है।		29	0. 48
		30	0. 50
		31	0. 53
		32	0. 55
		33	0. 58
56. अर्थ निर्वचन :—यदि इन विनियमों के अर्थ निर्वचन के संबंध में कोई प्रश्न उठता है तो उसे अध्यक्ष को निर्दिष्ट किया जायेगा, जो उसका निर्णय करेंगे।		34	0. 60
		35	0. 63
		36	0. 65
		37	0. 68
		38	0. 70
57. परिसमापन :—योजना को प्राधिकरण के समाप्त किये बिना बंद नहीं किया जायेगा। यदि प्राधिकरण को भंग कर दिया जाता है तो योजना को भी बंद कर दिया जायेगा और उस राशि को, जो इन विनियमों के अन्तर्गत भुगतान की जाने वाली राशि का भुगतान करने के पश्चात् बच जाती है, परन्तु जिसका अभी भुगतान नहीं किया गया है, उस समय विद्यमान सदस्यों में प्रत्येक को, उस समय निधि की प्रतिभूतियों के आगम का कुल बाजार मूल्य और अविनियोजित नकद राशि का भुगतान करके, इस प्रकार वितरित कर दी जायेगी कि उस समय ऐसे सभी सदस्यों के व्यक्तिगत खातों में मौजूद कुल राशि और प्रत्येक सदस्य के व्यक्तिगत खाते में जमा राशि एक-जैसे अनुपात में हो।		39	0. 72
		40	0. 74
		41	0. 76
		42	0. 78
		43	0. 80
आनन्द मोहन भारद्वाज, अध्यक्ष		44	0. 81
		45	0. 83
		46	0. 84
		47	0. 86
		48	0. 87
अनुसूची		49	0. 88
		50	0. 89
		51	0. 89
		52	0. 90
		53	0. 90
सारणी-1		54	0. 91
		55	0. 92
		56	0. 92
		57	0. 93
(विनियम 49 देखें)			
परिवार पेंशननिधि की सदस्यता के गुणज "एफ"			
परिसमापन के समय आयु			
1	2		
20	0. 25		
21	0. 27		
22	0. 30		
23	0. 32		
24	0. 35		

सारणी-2 (विनियम 50 देखें)		(1)	(2)
प्रवेश की आयु	गुणज, जिसके द्वारा देय फायदों को गुणा किया जाता है।	39	0.56
		40	0.53
		41	0.50
		42	0.48
		43	0.46
(1)	(2)	44	0.43
26	0.95	45	0.41
27	0.92	46	0.39
28	0.89	47	0.37
29	0.86	48	0.34
30	0.83	49	0.32
31	0.80	50	0.29
32	0.76	51	0.27
33	0.73	52	0.34
34	0.70	53	0.22
35	0.67	54	0.19
36	0.64	55	0.16
37	0.61	56	0.13
38	0.58	57	0.10

कार्य ए

(विनियम 36 देखें)

खाता संख्या

प्रोपणा पत्र

- नाम (साफ अक्षरों में) उप नाम
- लिंग
- राष्ट्रीयता
- पिता/पति का नाम
- वैवाहिक स्थिति

(विवाहित/अविवाहित/विधवा या विधुर)

- जन्म की तारीख दिन मास वर्ष

(यदि निश्चित तारीख उपलब्ध न हो तो प्रतिस्थापन के लिए चिकित्सा अधिकारी के परामर्श से अनुमानित आयु दी जाए।)

- स्थायी पता:

गाँव थाना

तहसील उपप्रभाग

डाकघर जिला

राज्य

8. (i) मैं घोषणा करता हूँ कि मैं इससे पूर्व कर्मचारी परिवार पेंशन निधि का सदस्य नहीं रहा हूँ।
- (ii) मैं नीचे अपने परिवार के उन सदस्यों के विवरण दे रहा हूँ जो सेवा में रहते हुए मेरी असामयिक मृत्यु हो जाने की दशा में परिवार पेंशन और एक मुश्त फायदे प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे।

क्रम सं.	परिवार के सदस्य का नाम और पता	आयु	सदस्य के साथ संबंध
.....
.....
.....

× (iii) मैं प्रमाणित करता हूँ कि राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि तथा परिवार पेंशन निधि विनियम 1994 के पैरा 2 (ज) और (छ) में यथा परिभाषित मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और इसके पश्चात् कुटुम्ब हो जाने पर मैं उपर्युक्त फार्म में अपना विवरण प्रस्तुत कर दूंगा।

सदस्य के हस्ताक्षर या बाएं/दाएं
हाथ के अंगूठे का निशान

× यदि आवश्यक न हो तो काट दें।

(नियोक्ता पूरा करें)

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त घोषणा पर श्री/श्रीमती ने जो मेरे प्रतिस्थापन में विनियोजित है, मेरे समक्ष प्रविष्टियों को पढ़ लेने के पश्चात् मेरे द्वारा प्रविष्टियां उन्हें पढ़कर सुनाने और द्वारा पुष्टि कर लेने के पश्चात् हस्ताक्षर किए हैं। अंगूठे का निशान लगाया है।

नियोक्ता अथवा उसके प्रतिस्थापन के
अन्य प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
पदनाम
प्रतिस्थापन का नाम और पता

स्थान

तारीख कार्यालय की सील/मुहर

फार्म ख

घोषणा फार्म

(विनियम 15 देखें)

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि मैंने राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि तथा परिवार पेंशन योजना) विनियम 1994 को पढ़ और समझ लिया है तथा मैं एतद्वारा प्रतिज्ञा करता हूँ कि निधि में अंशदान करने तथा उक्त विनियम से सहमत होने के लिए बाध्य होंगा।

पूरे हस्ताक्षर

साक्ष्य नाम

दिनांक पदनाम

अंशवासी भविष्य निधि से अग्रिम के लिए आवेदन

1. नाम
2. अंशवासी भविष्य निधि लेखा संख्या
3. पदनाम
4. वेतन
5. आवेदन की तारीख को अभिवाता के खाते में जमा शेष निम्न प्रकार से है :-
 - (i) वर्ष 1988-89 के विवरण के अनुसार शेष
 - (ii) से तक जमा अंशदान
 - (iii) से तक की अवधि के दौरान अग्रिम (अग्रिमों)/परावर्तन (परावर्तनों) लौटाना
 - (iv) जमा पर निबल शेष
6. बकाया अग्रिम (अग्रिमों) की धनराशि स्वीकृति की तारीख को बकाया शेष पर लिए गए अग्रिम (अग्रिमों) की धनराशि
 - (i)
 - (ii)
7. अपेक्षित अग्रिम की धनराशि रुपए
8. (क) किस प्रयोजन के लिए अग्रिम अपेक्षित है
 (ख) किन विनियमों के अन्तर्गत यह अनुरोध स्वीकृत है
 (ग) यदि अग्रिम मकान आदि बनाने के लिए लिया जाना है, तो निम्नलिखित सूचना दी जाए:-
 - (i) प्लॉट की स्थिति और माप
 -
 - (ii) क्या प्लॉट फ्री होल्ड है या लीज पर है
 - (iii) निर्माण के लिए योजना
 -

(iv) यदि प्लैट या प्लॉट किसी हाउसिंग (सोसाइटी) से खरीदा जा रहा है, तो सोसाइटी का नाम उसकी स्थिति और माप।

(v) निर्माण की लागत

रुपए—

(vi) यदि प्लैट दिल्ली विकास प्राधिकरण अथवा किसी हाउसिंग बोर्ड आदि से खरीदा गया है, तो उसकी स्थिति/विस्तार

(घ) यदि अग्रिम बच्चों की शिक्षा के लिए अपेक्षित है, तो निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएं —

(i) पुत्र/पुत्री का नाम

(ii) कक्षा और संस्थान/कालेज

(iii) क्या अनावासी छात्र अथवा होस्टल में रहने वाले छात्र हैं

(ङ) यदि अग्रिम परिवार के बीमार सदस्यों के इलाज के लिए लिया गया है, तो निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएं

(i) रोगी का नाम और उससे संबंध

(ii) अस्पताल/डिस्पेंसरी/डाक्टर का नाम जहां से रोगी का इलाज चल रहा है

(iii) क्या प्रतिपूर्ति उपलब्ध है

नोट : उपरोक्त 8(ग) से (8)(ङ) के अन्तर्गत अग्रिम लिए जाने पर, साक्ष्य के वस्तावेजी प्रमाण पत्र अपेक्षित होंगे।

9. समेकित अग्रिम (मब 6 और 7) की राशि और मासिक किस्तों की संख्या जिनमें रुपए का समेकित अग्रिम किस्तों में पुनः वापिस किया जाना प्रस्तावित है।

10. अस्थायी आहरण के लिए किए गए आबेदन को उचित सिद्ध करते हुए अभिदाता की परिस्थितियों के पूर्ण ब्यौरे

में प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त दिए गए ब्यौरे मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार पूर्ण एवं सही है और मेरे द्वारा कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

दिनांक

आवेदक के हस्ताक्षर

अनुभाग/दूरभाष सं.

NATIONAL AIRPORTS AUTHORITY NOTIFICATION

New Delhi, the 20th January, 1994

No. SEC. 9.2.4.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) read with sub-section (4) of section 38 of the National Airports Authority Act, 1985 (64 of 1985), the National Airports Authority, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:—

CHAPTER I—GENERAL

1. Short title, commencement and application.—

(1) These regulations may be called the National Airports Authority (Employees Contributory Provident Fund and the Family Pension Fund) Regulations, 1994.

2. Definitions.—(a) 'Act' means the National Airports Authority Act, 1985.

(3) They shall apply to all employees of the Authority regularly appointed to its service but shall not apply to the employees on deputation to the Authority.

2. Definitions.—(a) 'Act' means the National Airports Authority Act, 1985

(b) 'Authority' means the National Airports Authority established under section 3 of the Act;

(c) 'Board' means the Board of Trustees of the fund constituted under these regulations;

(d) 'Chairman' means the Chairman of the National Airports Authority;

(e) 'Contribution' means any contribution payable in respect of a member under these regulations by the Authority as an employer;

(f) 'Family' for the purpose of the National Airports Authority Employees Contributory Provident Fund Regulations means:—

- (i) in the case of a male employee, himself, his wife or wives, children whether married or unmarried, dependent parents and the widow and children of his pre-deceased son :

Provided that if an employee, by notice in writing to the Board, expresses his desire to exclude his wife from his family, the wife shall no longer be deemed for the purposes of these regulations, to be included in the family unless the said notice is subsequently withdrawn by such male employee

- (ii) in the case of a female employee, herself her husband, her children, whether married or unmarried, her dependent parents,

the dependent parents of her husband and the widow and children of her pre-deceased son:

Provided that if a female employee by notice in writing to the Board expresses her desire to exclude her husband from her family, the husband and his dependent parents shall no longer be deemed, for the purpose of these regulations, to be included in the family, unless the said notice is subsequently withdrawn by such female employee.

Explanation.—When the personal law of an employee permits, the adoption by him of a child, any child lawfully adopted by him shall be deemed to be included in his family, and where a child of an employee has been adopted by another person and such adoption is, under the personal law of the person making such adoption, lawful, such child shall be deemed to be excluded from the family of the employee.

(g) 'Family' for the purpose of Family Pension Fund means :—

- (i) wife in the case of a male employee of the Authority;
- (ii) husband in the case of a female employee, of the Authority; and
- (iii) minor sons and unmarried daughters of an employee of the Authority.

Explanation.—The expression "sons" and "daughters" shall include children adopted legally before death in service.

(h) 'Family Pension' means a regular monthly amount payable to a person belonging to the family of an employee of the Authority, in the event of his/her death during the period of reckonable service;

(i) 'foreign service' means service in respect of which an employee of the Authority receives his pay and other emoluments with the sanction of the Authority from any employer other than the Authority;

(j) 'Fund' means the National Airports Authority Employees Contributory Provident Fund;

(k) 'Member' means an employee of the Authority who is required or is entitled to become a member of the Contributory Provident Fund or Family Pension Fund;

(l) 'pay' includes basic pay and where admissible, special pay or personal pay, dearness pay and dearness allowance, but does not include any other allowance to which the employees may be entitled to;

(m) 'President' means the President of the Board;

(n) 'reckonable service' means service rendered by a member of the family pension fund in respect of which contributions are payable under these regulations;

(o) 'Secretary' means the Secretary of the Board of Trustees of the Fund;

(p) 'subscription' means a subscription to the Provident Fund made by a member;

(q) 'trustee' means a member of the Board of trustees;

(r) 'year' means the financial year of the National Airports Authority, beginning on the 1st day of April.

3. Fund constituted under an irrevocable Trust.—The Fund shall be constituted under a Trust which shall be irrevocable save with the consent of all the beneficiaries and save in the cases mentioned below, no money belonging to the fund in the hand of members shall be recoverable, by the Govt. under any pretext whatsoever, nor shall be the Company have any lien or charge of any description on the same save as herein provided.

The employer shall not be entitled to recover any sum whatsoever from the fund, save in cases where the employee is dismissed for misconduct or voluntarily leaves his employment otherwise than on account of ill health or other unavoidable causes before the expiration of the term of service specified in this behalf in the regulations of the fund :

Provided that in such cases the recoveries made by the employer shall be limited to the contributions made by him to the individual account of the employee, and to interest credited in respect of such contributions in accordance with the regulations of the fund and the accumulations thereof.

4. Board of Trustees.—(1) The Fund established under these regulations shall be administered by the Board of Trustees consisting of the following members namely:—

- (a) Director (F&A), Ex-officio President;
- (b) Company Secretary, Ex-officio;
- (c) Director Personnel, Ex-officio;
- (d) Dy. Director of (F&A), Ex-officio;
- (e) Two representatives of the employees to be nominated by the Chairman, in consultation with the employees, from amongst the members of the Fund;
- (f) A representative of the officers to be nominated by the Chairman, in consultation with the officers, from amongst the members of the Fund.

NOTE.—Any change in the constitution of the Board of Trustees may be made by the Chairman on the recommendation of the Member (Finance)

and Member (Personnel & Administration) of the Authority.

(2) An officer in the head office of the Authority, nominated by the Chairman, shall be the Secretary to the Board. The Secretary shall have the assistance of such staff, provided by the Authority, as may be determined by the Chairman from time to time. It shall be the duty of the Secretary to convene meetings of the Board; keep records thereof, take necessary steps to ensure proper maintenance of accounts and to carry out the decisions of the Board.

(3) Regional Committees.—There shall be regional committees at every region of the Authority to be authorised by the Board to grant advances as admissible under these regulations. The regional committees shall consist of the following members, namely:—

- (a) Head of the Region.
- (b) Head of the Personnel and Administration Department at the Region.
- (c) Head of the Finance at the Region.
- (d) Two representatives of the employees one each from officers and staff side respectively to be nominated by the Head of the Region. In consultation with the officers and staff, from amongst the members of the Fund.

5. Term of Office.—(1) Every Trustee, other than an ex-officio Trustee, shall subject to these regulations, hold office for a period of two years commencing from the date on which the nomination is made;

(2) Where any casual vacancy occurs in the office of a Trustee (other than ex-officio Trustees) the Chairman, in consultation with the employees, shall nominate a member of the Fund as Trustee to fill such vacancy. A Trustee, so nominated, shall hold office for the unexpired term of office of the Trustee in whose place he is nominated.

(3) An out-going Trustee shall be eligible for re-nomination.

6 Resignation and cessation of Trustee.—(1) A Trustee, other than ex-officio Trustee, may resign his office by a letter addressed to the Chairman and his office shall fall vacant from the date on which the resignation is accepted by the Chairman.

(2) A Trustee, other than an ex-officio Trustee, shall cease to be a Trustee, if he fails to attend three consecutive meetings of the Board, without obtaining leave of absence from the President :

Provided that the Board may of its own motion or on an application made by such trustee in this

behalf restore a Trustee to his office if it is satisfied that there were reasonable ground for the absence.

7. Disqualification for Trusteeship and removal.—(1) A person shall be disqualified for being a Trustee, under clauses (e) and (f) of sub-regulation (1) of regulation 4 :—

- (a) if he is an undischarged insolvent;
- (b) if he is declared to be of unsound mind by a competent court;
- (c) if he has been convicted of an offence involving moral turpitude;
- (d) if he ceases to be an employee of the Authority; or
- (e) if he ceases for any reason to be a member of the Fund.

(2) If any question arises whether any person is disqualified under clauses (e) and (f) of sub-regulation (1) of regulation 4, shall be referred to the Chairman whose decision on the question shall be final.

(3) The Authority may remove from office any Trustee, other than ex-officio Trustee, if in the opinion of the Authority such Trustee has ceased to represent the interest which he purports to represent on the Board after giving him reasonable opportunity of making any representation against the proposed action.

8. Meetings.—(1) The Board shall meet at New Delhi or at such place and time as may be appointed in this behalf by the President. The President may, whenever he thinks fit, and shall within 15 days of the receipt of a requisition in writing from not less than 3 Trustees, call for a meeting of the Board.

(2) Notice of not less than fifteen days from the date of posting shall be given for each ordinary meeting of the Board to every Trustee. A list of business to be discussed at the meeting shall be attached to such notice :

Provided that when the President calls a meeting for considering any matter which, in his opinion, is urgent, a notice giving such reasonable time as he may consider necessary, shall be deemed sufficient notice for the purpose of this regulation.

(3) The President shall preside at every meeting of the Board. In his absence, the Trustees shall elect one of the members present to preside over the meeting and the person, so elected, shall exercise all the powers of the President at such meeting.

9. Quorum.—(1) business shall be transacted at a meeting of the Board whether ordinary or urgent, unless at least three Trustees are

present of whom at least one each shall be from amongst those nominated under clauses (e) and (f) of sub-regulation (1) of regulation 4.

(2) If at any meeting the number of Trustees is less than the required quorum, the President shall adjourn the meeting informing the Trustees of the time, date and place of the adjourned meeting and it shall thereupon be lawful to dispose of the business at such adjourned meeting, whether the quorum is secured or not.

(3) Every question considered at a meeting of the Board shall be decided by majority votes of the Trustees present and voting. In the case of an equality of votes, the President shall exercise a second or casting vote.

10. Minutes of the meeting.—The minutes of the meeting of the Board shall be kept by the Secretary of the Board. On the confirmation of such minutes, with or without modification at the next meeting of the Board, the minutes so confirmed shall be recorded in the minute book and signed by the President. The minutes so recorded and signed shall be the proof of the correctness thereof.

11. Fees and allowances.—(1) All expenses relating to the administration of the Fund, including the pay and allowances of the staff appointed for the purpose of administering the Fund, shall be borne by the Authority and shall not be charged to the Fund.

(2) The grant of travelling allowance to a Trustee, in respect of journeys performed by him for attending the meeting of the Board, shall be governed by the regulations applicable to him for journey performed on official duty and shall be paid by the Authority.

CHAPTER II

12. Constitution of the National Airports Authority Employees' Contributory Provident Fund.—(1) The Authority shall constitute a Fund to be called the National Airports Authority Employees Contributory Provident Fund.

(2) The Fund shall be maintained in rupees subject to these regulations.

(3) The Fund shall constitute an irrevocable Trust for the benefit of members thereof.

13. Assets of the Fund.—The Fund shall consist of :

- (a) contributions to be made by the Authority and subscriptions to be made by the members in terms of these regulations;
- (b) interest which may accrue on such contributions and subscriptions;

- (c) balance transferred from any other Provident Fund where such transfers are authorised by the Board;
- (d) moneys lapsed to the Fund in accordance with the provisions of these regulations;
- (e) securities purchased with Fund accretions and any capital gains arising from the transfer of capital assets of the Fund.

14. Member of the Fund.—Every employee of the Authority shall be entitled and required to become a member of this Fund from the beginning of the month following the date on which he/she completes three months' continuous service or has actually worked for not less than 60 days within a period of three months or less.

Explanation : (a) If an employee has been a member of a Contributory Provident Fund covered under the Employees Provident Scheme, 1952, or any other Provident Fund established by Central or State Government and/or any other Provident Fund recognised under the provisions of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and has not withdrawn the Provident Fund amount standing to his credit at the time of his joining the Authority he shall be eligible to become a member of the Fund from the date of his appointment, provided he gets his accumulations in the previous organisation transferred to National Airports Authority Employees' Contributory Provident Fund.

(b) The Pensioners and superannuated persons of the Central/State Government departments will become members of the Fund from the date of their appointment provided that their employment is not for less than one year or is extended for one year or more.

(c) The persons appointed on contract basis shall not be eligible to become members of the Fund unless their contract of appointment specifically provides for the same.

15. Declaration to be given by a member.—Every employee on becoming a member of the Fund shall give a declaration in Form 'B' appended to these regulations.

16. Rates of subscription and contribution.—(1) Every member shall subscribe to the Fund each month at the rate of 8.33 per cent of the pay earned by him for the month.

(2) A member may increase his subscription to any rate not exceeding twenty five per cent of the pay earned for the month :

Provided that such enhancement shall be given effect to from the subscription which has under these regulations to be treated as subscription of the first month of a financial year.

Explanation : The pay for the purpose of determining the rate of subscription to Contributory Provident Fund by re-employed employees shall be the pay plus pension and other retirement benefits taken into account at the time of fixation of their re-employment pay. The maximum amount for this purpose is, however, not to exceed the maximum of the scale of the post held by the employee concerned. Dearness allowance shall be taken into account in addition.

(3) The Authority shall contribute to the Fund every month an amount equal to the amount subscribed by each of the member, but in any case not exceeding 8.33 per cent of the pay earned by the member during that month as the employer's contribution to the Fund.

(4) Subscription and contribution shall be rounded off to the nearest rupee, 50 paise or more to be counted as the next higher rupee.

17. Realisation of subscription.—(1) When pay is drawn by a member from the Authority, recovery on account of such subscription and of the principle and the interest of any advance shall be made from the pay itself.

(2) When a member is on foreign service and receives his salary from the foreign employer, it shall be incumbent on him to remit his monthly subscription to the President. The Authority's contributions payable in respect of the period of foreign employment be recovered by the Authority from the member. Amount payable by the member may, by mutual agreement, be recovered by the foreign employer from his pay and remitted to the President.

18. Administration of Fund, accounts and audit.—(1) The total amount received as the employer's contribution and towards the employee's subscription to the fund shall be credited to respective accounts.

(2) All amount lapsed to the Fund and net profits or losses, if any from the sale of investments, shall be transferred to the 'Lapsed Account'.

(3) All interest, rent and other income accrued or realised, as the case may be, shall be credited to an account to be called 'Interest Income Account'.

(4) All moneys belonging to the Fund shall be deposited in the manner specified under rule 67 of the Income Tax Rules, 1962 and amendment thereof from time to time.

(5) The accounts of the Fund shall be audited by the authority auditing the accounts of the Authority.

19. Interest.—The Board shall, as soon as possible, after the expiry of every year:—

- (a) notify the rate at which the interest shall be allowed during the year on all deposits standing to the credit of every member of the Fund which shall be the Provident Fund continued by the employees.
- (b) prepare an account of the total interest accrued and received on the investment of the Fund during that year; and,
- (c) credit the amount of interest due to every member on the balance standing to his credit in the Fund on the 31st day of March of each year. Provided that in the case of a member ceasing to be such member before the accounts of the year are closed, interest shall be allowed at the rate fixed for the preceding year upto the end of the month preceding that in which the payment is made.

20. Member's Accounts.—(1) An individual account for each member shall be maintained in the Form as may be prescribed by the Board and allotted a separate number. Accounts shall be maintained at the Headquarters or at the Region under which the member is working, as may be prescribed by the Board.

(2) As soon as may be, after the close of the financial year, every member shall be supplied with a statement of his account showing therein the opening balance for the year of subscriptions and contributions to the credit of his account including interest thereon, the amount of subscription and contribution for the year, the interest credited to his account for the year and the total amount of subscriptions and contributions including interest thereon to his credit at the end of the year.

(3) Every member shall send the acceptance of the statement of his account, duly signed by him, after satisfying himself as to the correctness of the entries made therein, not later than two months from the date of receipt thereof.

(4) An abstract for the year of the individual account of each member, in respect of whom the return is required to be furnished under the Income Tax Rules, 1962, shall be furnished to the Income Tax Officer concerned in the prescribed form(C), within such time as may be required by the provisions of the said rules.

21. Nominations.—(1) every member shall, as soon as possible, after joining the Fund make a nomination in the Form that may be prescribed by the Board conferring upon one or more

persons the right to receive the amount which may stand to his/her credit in the Fund in the event of his/her death before that amount has become payable or having become payable has not been actually paid :

Provided that if, at the time of making the nomination, the member has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the member of his/her family.

(2) If a member nominates more than one person under sub-regulation (1) he/she shall specify in the nomination Form the amount of share payable to each of the nominees in such manner as to cover the whole amount which may stand to his/her credit in the Fund at any time.

(3) A member may at any time cancel or modify nomination by giving notice in writing:

Provided that the member shall, alongwith such notice, file a fresh nomination made in accordance with the provisions of this regulation in the Form that may be prescribed by the President.

(4) A member may provide in a nomination Form:—

- (a) that in the event of any specified nominee predeceasing the member, the right conferred upon that nominee shall pass on to such other person or persons as may be specified in the nomination:

Provided that where the member has a family, such other nominee shall also be a member of the family;

Provided further, that where the member has no family, the provisions of the proviso to sub-clause (b) shall apply;

- (b) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of a contingency specified therein;

Provided that if at the time of making the nomination the member has no family he shall provide in the nomination that it shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family.

(5) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (a) of sub-regulation (4), on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (b) of sub-regulation (4), the member shall send to the Secretary or any other officer authorised by the President, in this behalf, a notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination made in accordance with the provisions of this regulation.

(6) Every nomination made, and every notice of cancellation given, by a member shall be communicated to the Secretary or any other officer, authorised in this behalf, to the extent that it is valid, take effect on the date on which it is received by the Secretary or any other officer authorised by the President under sub-regulation (5) above.

(7) Where the nomination is wholly or partly in favour of a minor, the member may, for the purpose of these regulations, appoint a major person of his family as defined in regulations to be guardian of the minor nominee:

Provided that if there is no major person in the family the member may, at his discretion, appoint any other person to be a guardian of the minor nominee.

(8) Except as otherwise provided in this regulation, no employee shall assign or create a charge upon his beneficial interest in the Fund.

22. Advances from the Fund :—(1) The Board may sanction the payment of an advance to any member for any of the purposes listed in the column 2 of the Table below upto the limit and subject to the special conditions, if any, set out in column 3.

TABLE

Sl. No.	Purpose	Limit upto which advance may be sanctioned
1.	2.	3.
1.	To pay for the cost of passage to a place out of India of the member or member of his family.	Three months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.
2.	To pay obligatory expenses on a scale appropriate to the status which by customary usage the member has to incur in connection with:	
	(a) the marriage of himself or of his children or any other member of his family actually dependent on him.	(a) Six months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.
	(b) other ceremonies connected with himself or of his children or of any other member of his family actually dependent upon him or in connection with the funeral ceremonies of his parents, or of any other member of his family dependent upon him.	(b) Three months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.
3.	To pay any expenses in connection with the illness or disability including where necessary travelling expenses of the member of his family actually dependent upon him.	Three months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund whichever is less.
4.	To meet expenses for higher education of his son or daughter wholly dependent upon him.	Three months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.
5.	To meet expenses for his defence in a court of law in the official capacity to vindicate his character or action.	Three months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.

Note 1 : The condition of dependence on the employee shall not apply in respect of his son or daughter for marriage and in respect of his parents for funeral in the matter for grant of advance.

Note 2 : For the purpose of Sl. No. 2 (a) the unmarried sister will be deemed to be the member of the family of the employee.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), Chairman may sanction advance in excess of the limits laid down above or in any case of acute distress not covered by the conditions

set out above for reasons to be recorded in writing.

(3) An advance shall not except for special reasons, be sanctioned to any member until repayment of the last instalment of any previous advance together with interest thereon. However, in cases, where second advance is granted before the repayment of the first advance, the balance of any previous advance, not recovered shall be added to the advance so sanctioned and the instalments for recovery shall be fixed with reference to the consolidated amount.

(4) A member who has been sanctioned an advance from the Fund, shall satisfy the sanctioning authority within a period of three months that the money has been utilised for the purpose for which it was sanctioned and, if he fails to do so, the whole sum so sanctioned or so much thereof as has not been utilised for the purpose for which it was sanctioned shall forthwith be repaid in one lumpsum together with interest thereon at the rate specified under sub-regulation (3) of regulation 23 by the member of the Fund and to the default of such payment shall be ordered by the sanctioning authority to be recovered from his emoluments either in one lumpsum or in such number of monthly instalments as may be determined by such Authority.

23. Recovery of advance :—(1) An advance shall be recovered from the member in such number of equal monthly instalments as the sanctioning authority may direct but such number shall not be less than 12 instalments, unless the member so elects, and not more than 36 instalments. A member may, at his option, make repayment of more than one instalments in any month. The amount of each instalment shall be fixed in terms of whole rupees, and amount of advance being raised or reduced, if necessary, to admit of such fixation.

(2) Recovery shall be made in the manner provided in sub-regulation (1) and shall commence from the first occasion after the advance is made on which the member draws pay for a full month. Recovery shall however, not be made except with the member's consent while he is in receipt of subsistence grant or on sick leave and/or extraordinary leave exceeding 30 days.

(3) Interest shall be charged on advance and recovered in accordance with the provisions of Rule 71 of the income Tax Rules, 1962.

24. Withdrawal from the Fund for the purpose of a dwelling house/flat or for the construction of a dwelling house including acquisition of a suitable site for the purpose :—(1) The Board may on an application from a member in such Form as may be prescribed and subject to the conditions prescribed in this regulation, sanction withdrawal from the amount standing to the credit of the member in the Fund—

(a) for purchasing a dwelling house/flat, including a flat in a building owned jointly with others (outright or on hire purchase basis) or for constructing dwelling house including the acquisition of suitable site for the purpose from the Central Government, the State Government, a co-operative Society, an institution, a trust, a local body or a Housing Finance Corporation (hereinafter referred to as agency/agencies);

or

(b) for purchasing a dwelling site for the purpose of construction of a dwelling house or a ready built dwelling house/flat from any individual;

(c) for the construction of a dwelling house on a site owned by the member or the spouse of the member or jointly by the member and the spouse or for completing/continuing the construction of a dwelling house already commenced by the member or the spouse on such site or for purchase of a house/flat in the joint name of the member and the spouse under clauses (a) and (b) above.

Explanation : 1, in this paragraph, the expression, 'Co-operative Society' means a society registered or deemed to be registered under the Co-operative Societies Act 1912 (2 of 1912) or under any other law for the time being in force in any State relating to co-operative societies.

2 The amount of withdrawal shall not exceed 36 times the pay of the member or the member's own share of contribution, together with the amount of the employer's share of the contribution, admissible under these regulations had the member been allowed to withdraw his accumulations on the date of authorisation of payment with interest thereon, or the actual cost towards the acquisition of the dwelling site (together with the cost of construction thereon) or the purchase of the dwelling house/flat or the construction of the dwelling house, whichever is the least.

3. The actual cost towards the acquisition of the dwelling site or the purchase of dwelling house/flat shall include charges payable towards registration of such site, house or flat.

(2) (a) No withdrawal under this paragraph shall be granted unless :

(i) the member has completed five year's membership of the Fund;

(ii) the member's own share of contribution with interest thereon in the amount standing to his credit in the Fund is not less than one thousand rupees;

(iii) the dwelling site or the dwelling house/flat or the house under construction is free from all encumbrances :

Provided that where a dwelling site or a dwelling house/flat is mortgaged to any of the agencies referred to in clause (a) of sub-regulation (1), solely for having obtained funds for the purchase of a dwelling house/flat or for the construction of a dwelling house including the acquisition of a suitable site for the purpose, such a dwelling site or a dwelling house/flat, as the case may be, shall not be deemed to be an encumbered property :

Provided further, that a land acquired on perpetual lease or on lease for a period of not less than thirty years for constructing a dwelling house; flat, or a house|flat built on such leased land, shall also not be deemed to be an encumbered property;

Provided also that, where the site of the dwelling house|flat is held in the name of any agency, referred to in clause (a) of sub-regulation (1) and the allottee is precluded from transferring or otherwise disposing of, the house|flat, without the prior approval of such agency. The mere fact that the allottee does not have absolute right of ownership of the house|flat and the site is held in the name of the agency, shall not be a bar to the giving of withdrawal under clause (a) of sub-regulation (1), if the other conditions mentioned in this regulation are satisfied.

(b) No withdrawal shall be granted for purchasing a share in a joint property or for constructing a house on a site owned jointly except on a site owned jointly with the spouse.

(3) Subject to the limitation prescribed in sub-regulation (2) :—

(a) where the withdrawal is for purchase of a dwelling site from an agency referred to in clause (a) of sub-regulation (1), the payment of withdrawal shall not be made to the member but shall be made direct to the agency in one or more instalments, as may be authorised by the member;

(b) where the withdrawal is for the construction of a dwelling house, it may be sanctioned in such number of instalments as the President thinks fit;

(c) Where the withdrawal is for the acquisition of dwelling site for the purpose of construction of a dwelling house thereon from any individual or any agency, the amount shall be paid in not less than two equal instalments. the first instalment at the time of the acquisition of the dwelling site and the remaining at his request at the time of the construction of a dwelling house on such dwelling site.

(4) Where a withdrawal is sanctioned for the construction of dwelling house, the construction shall commence within six months of the withdrawal of the first instalment and shall be completed within twelve months of withdrawal of final instalment. Where the withdrawal is sanctioned for the purchase of a dwelling house|flat or for the acquisition of dwelling house|flat or for the acquisition of a dwelling site, the purchase or acquisition as the case may be, shall be completed within six months of the withdrawal of the amount :

Provided that this provision shall not be applicable in case of purchase of a dwelling house|flat on hire purchase basis and in cases where dwelling site is to be acquired or house to be constructed by a co-operative society on behalf of its members with a view of their allotment to members.

(5) Except in the cases specified in sub-regulation (6) no further withdrawal shall be admissible to a member under this regulation.

(6) An additional withdrawal upto twelve months basic wages nad dearness allowance or the members own share of contributions with interest thereon in the amount standing to his credit in the Fund, whichever is less, may be granted once and in one instalment only, for additions substantial alternations or improvement necessary to the dwelling house owned by the member or by the spouse or jointly by the member and the spouse :

Provided that the withdrawal shall be admissible only after a period of five years from the date of completion of the dwelling house.

(7) The member shall produce the title deed and such other documents as may be required for inspection which shall be returned to the member after the grant of withdrawal.

8. (a) If the withdrawal granted under this regulation exceed the amount actually spent for the purpose for which it is sanctioned the excess amount shall be refunded by the member to the Fund in one lumpsum within thirty days of the finalisation of the purchase or the completion of the construction or necessary additions. alterations or improvements to a dwelling house, as the case may be. The amount so refunded shall be credited to the employer's share of contributions in the member's account in the Fund to the extent of withdrawal granted out of the said share and the balance, if any, shall be credited to the member's share of contributions in this account.

(b) In the case of the member not having been—

(i) allotted a dwelling site|dwelling house|flat or;

(ii) cancellation of an allotment made to the dwelling site; or

(iii) in case the member not being able to acquire the dwelling site; or

(iv) to purchase the dwelling house|flat from any individual; or

(v) to construct the dwelling house; the member shall be liable to refund in one lumpsum and in such manner as may be specified by the President. the amount of withdrawal remitted under this regulation to him or to the agency, as the case may be, referred to in clause (a) of sub-regulation (1) of this regulation.

(9) If the President is satisfied that the withdrawal granted under this sub-regulation has been utilised for a purpose other than that for which it was granted or that the member refused to accept an allotment or to acquire a dwelling site or that the conditions of withdrawal have not been fulfilled or that there is reasonable apprehension that they will not be fulfilled wholly or partly, or that the excess amount will not be refunded in terms of clause (a) of sub-regulation (8) or that the amount remitted back to the member by any agency referred to in clause (a) of sub-regulation (1), will be refunded in terms of clause (b) of sub-regulation (8), the President shall forthwith take steps to recover the amount due with penal interest thereon at the rate of two per cent per annum from the wages of the member in such number of instalments as the President may determine for the purpose of such recovery. The President may direct the employer to deduct such instalment from the wages of the member and on receipt of such direction the employer shall deduct accordingly. The amount so deducted shall be remitted by the employer to the President within such time and in such manner as may be specified in this direction. The amount so refunded, excluding the penal interest, shall be credited to the employer's share of contributions in the member's account in the Fund to the extent of withdrawal granted out of the said share of contributions in the member's account in the Fund to the extent of withdrawal granted out of the said share and the balance if any shall be credited to the member's own share of contributions in his account. The amount of penal interest shall however be credited to the "Interest Suspense Account".

(10) Where any withdrawal granted under this regulation has been misused by the member, no further withdrawal shall be granted to him under this regulation within a period of three years from the date of grant of the said withdrawal, with penal interest thereon.

25. Withdrawal for payment of premium :—The Board may sanction the withdrawal by a member of the Provident Fund subscription standing to his credit to pay premia on policies of life insurance of a member or his/her spouse :

Provided that no amount shall be withdrawn—

- (a) before the particulars of the policy are submitted to the Board and accepted by them as suitable; or
- (b) unless the policy is assigned to the Trustees, receipts granted by any Insurance Company for the premia are from time to time handed over to the Trustees for inspection;
- (c) in excess of the amount required to meet a premium;

(d) in excess of (i) the pay of employee for three months at the time of withdrawal; or (ii) the total of the accumulation of subscription and interest exempted from income tax contained in the balance to the credit of the employee, whichever is less;

(e) unless the premium for a policy in respect of which withdrawal is permitted is payable annually :

Provided further, that if such policy matures or otherwise falls due for payment before the employee ceases to be in the service of the Authority the amount received or receivable thereunder shall be utilised to reimburse the member's account to the extent of the amount drawn therefrom or the amount received against the insurance policy, whichever is less, and the balance, if any made over to the beneficiary under the policy :

Provided also that, if a member, having withdrawn any amounts under this regulation, elects to discontinue such withdrawals, the total amount so withdrawn by him for payment of insurance premia shall be reimbursed to his account in the Fund and the Insurance Policy assigned to or deposited with the Trustees shall not be reassigned or returned to him as the case may be, unless the amount withdrawn is so reimbursed.

26. Conversion of an advance into a withdrawal :—A member who has already drawn an advance under regulation 22 may convert at his discretion by written request addressed to the President through the Secretary, the balance outstanding against him to final withdrawal on his satisfying the conditions laid down in regulation 22.

27. Final withdrawals of accumulations in the Fund :—(1) When a member quits the service of the Authority, the accumulated balance standing to his credit in the Fund shall be subject to the deduction of Income Tax that may be due and payable by him according to the provisions of the Income Tax Act and also subject to any deduction under regulation 29 becomes payable to him.

(2) When the member quits service for taking up employment with Central or State Government or any autonomous organisation or any society registered under the Societies Registration Act 1860 (21 of 1860) or Public Undertaking etc., with the permission of the Authority, the balance at his credit in the Fund shall not be payable to him but be transferred to his new employer if the Provident Fund rules of that employer allow such transfer.

(3) When a member has proceeded on leave preparatory to retirement, seventy five per cent of the amount of the subscription and interest thereon standing to his credit in the Fund, shall

upon application made by him in that behalf to the authority, become payable to him.

(4) On retrenchment due to reduction in establishment.

28. Procedure on death of a member.—Subject to any deduction under regulation 29 on the death of a member before the amount standing to his credit has become payable or where the amount has become payable before actual payment has been made :

- (i) if a nomination made by the member in accordance with regulation 21 subsists, the amount standing to his credit in the Fund or that part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in accordance with such nomination; or
- (ii) if no nomination subsists or if the nomination relates only to a part of the amount standing to his credit in the Fund the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate, as the case may be, shall become payable to the members of his family in equal shares;

Note : In case the share becomes payable to the minor children under the aforesaid clause, it shall be paid to the surviving parents being the natural guardian without an indemnity bond :

Provided that no share shall be payable to—

- (a) son who have attained majority;
- (b) son of a deceased son who have attained majority;
- (c) married daughter whose husband is alive;
- (d) married daughter of a deceased son whose husband is alive;
- (e) any member of the family other than those specified in clauses (a), (b), (c) and (d) :

Provided further, that the widow or widows, and the child or children of a deceased son shall receive between them in equal parts, only the share which that son would have received if he had survived the member and had not attained the age of majority at the time of the member's death;

- (iii) in any case, to which the provisions of clauses (i) and (ii) do not apply, the whole amount shall be payable to the person legally entitled to it.

Explanation : For the purpose of this regulation, a member's posthumous child, if born alive, shall be treated in the same way as surviving child born before the member's death.

29. Deduction.—(1) Subject to the condition that no deduction may be made which reduces the credit by more than that the amount of any contribution by the Authority with interest thereon, before the amount standing to the credit of a member in the Fund is paid out of Fund, the Chairman may direct the deduction therefrom of :—

- (a) the amount of last two years' employer's contribution together with interest thereon if a member has been dismissed from service for,—

- (i) fraud;
- (ii) riots or violent behaviour while on the premises of the Authority;
- (iii) theft or misappropriation or sabotage of any property of the Authority;
- (iv) the same shall also apply to the employees under suspension of the above acts of misconduct as stated in clauses (i), (ii) and (iii) till the charges are cleared;

- (b) where a member withdraws any amount in case of voluntary resignation from the Authority, the following provisions shall apply :—

- (i) 75% of the employer's contribution and interest thereon shall be forfeited to the Fund if the period of his membership in the Fund is less than 3 years; or
- (ii) 50% of the employer's contribution and interest thereon shall be forfeited to the Fund if the period of his membership in the Fund is 3 years or more but less than 4 years; or
- (iii) 25% of the employer's contribution and interest thereon shall be forfeited to the Fund if the period of his membership in the Fund is 4 years or more but less than 5 years;

- (c) any amount due under a liability incurred by the member to the Authority.

(2) All amounts deducted under clause (a) or clause (b) of sub-regulation (1) shall lapse to the Fund.

(3) All amounts deducted under clause (c) of sub-regulation (1) shall be paid into the credit of the Authority.

30. Manner of payment of the amount in the Fund.—(1) when the amount standing to the credit of a member in the Fund or the balance thereof, after any deduction under regulation 29 becomes payable, it shall be the duty of the Secretary or any other officer, authorised by the President in this behalf, after satisfying himself as to correctness of the amount payable, to make payment on receipt of a written application in this behalf as provided in sub-regulation (3).

(2) If the person to whom, under these regulations, any amount is to be paid is a 'lunatic' and for whose estate a Manager has been appointed under the lunacy Act 1912 (4 of 1912), the payment shall be made to such Manager and not to the lunatic.

(3) Any person who desires to claim payment under this regulation shall send a written application in that behalf to the Secretary or any other officer authorised by the President in this behalf in such Form as may be prescribed by the Board. Payment of amounts withdrawn shall be made in India only. The person to whom the amounts are payable shall make their own arrangements to receive payment in India.

CHAPTER III

FAMILY PENSION SCHEME

31. Membership of the Family Pension Scheme.—The scheme shall apply to every employee who becomes a member of the Employee's Contributory Provident Fund, provided he/she is not in receipt of pay exceeding Rs. 3,500/- per month :

Provided that an employee who, while working in a factory or other establishment before joining the service of the Authority had earlier decided not to opt for the family Pension Scheme, 1971 framed under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952, may exercise within three months of the date of promulgation of these regulations the option for not joining the Family Pension Scheme of the Authority.

32. Retention of membership.—A member of the Family Pension Scheme shall continue to be a member of the Family Pension Scheme till he/she attains the age of superannuation or till he/she retires or quits service and withdraws or becomes entitled to withdraw the benefits to which he/she is entitled under this Scheme or dies during the period of reckonable service whichever is the earliest.

Explanation : Once the pay of an employee exceeds Rs. 3500/- p.m. he would automatically be

deemed to have opted out of the Family Pension Scheme.

33. Removal of doubts.—If any question arises whether an employee is entitled or not to become a member of the Family Pension Scheme, the decision thereon of the Board of Trustees shall be final provided that no decision shall be given unless the employee has been heard.

34. Fees and allowances.—All expenses relating to the administration of Family Pension Scheme including the pay and allowances of the staff appointed for the purpose of administering the Scheme shall be borne by the Authority in the same manner as indicated in regulation.

35. Family Pension Fund.—(1) From and out of the subscription paid by the members and the contributions paid by the Authority into Provident Fund each month, as laid down in regulation 16, a part of subscription representing 1.16 per cent of employee's pay along with the equivalent amount representing 11.6 per cent of the Authority's contributions shall be separately earmarked and credited to the Family Pension Fund.

(2) The Authority shall also contribute at the rate of 1.16 per cent of the pay of the members of the Family Pension Scheme and credit the contributions to the Family Pension Fund Account.

(3) The contributions payable under sub-regulations (1) and (2) shall be calculated on the basis of the monthly pay.

(4) Each contribution payable under sub-regulations (1) and (2) shall be calculated to the nearest of a rupee, 50 paise or more to be counted as the next higher of a rupee. Any fraction of a rupee below 50 paise shall be ignored.

36. Particulars to be supplied by persons already employed at the time of the commencement of the Family Pension Scheme.—Every person, who is entitled to become a member of the Family Pension Scheme, shall be asked forthwith by the Authority to furnish and shall, on such demand, furnish to it, particulars concerning himself and his family in Form 'A' appended to these regulations.

37. Allotment of account numbers.—Separate account number shall be allotted to each member of the Family Pension Scheme.

38. Family Pension Fund Account.—The aggregate amount received as the Authority and the employees contributions and also the Authority's own contribution to the Family Pension Scheme shall be credited to an account called the "Family Pension Fund Account."

39. Investment.—All moneys belonging to the Fund shall be deposited in the manner specified

under rule 67 of the Income Tax Rules, 1962 and amendments thereof from time to time.

40. Disposal of the Fund.—(1) All payments on account of Family Pension and other benefits under the Family Pension Scheme shall be chargeable against the said account.

(2) Subject to the provisions of these regulations, the Family Pension Fund account referred to in regulation 38 shall not, except with the previous sanction of the Authority, be expended for any purpose other than the payment of benefits, as may be admissible, to the members of the Family Pension Scheme or persons belonging to his/her family.

41. Forms of accounts.—The accounts of the Family Pension Scheme shall be maintained in such Form and manner as may be prescribed by the Authority.

42. Audit.—The accounts of the Family Pension Scheme shall be audited by the authority auditing the accounts of the Authority.

43. Maintenance of Family Pension Fund Account.—The account called the 'Family Pension Fund Account' shall be opened and maintained in such manner as may be specified by the Board with the approval of the Authority.

44. Rate of Family Pension.—(1) In the case of a member who dies during the period of reckonable service before attaining the age of superannuation, family pension shall be paid at the rates specified in the Table below, subject to the condition that he/she has been a member of the Family Pension Scheme for a period of not less than 2 years.

Note :—In the case erstwhile Government servants absorbed in the service of the Authority on 02-10-1989 and employees of the other public sector undertakings who joined service in the Authority by that date in continuation of their service in those undertakings, the past service in Government or public sector undertakings will be reckoned towards the period of two years.

TABLE

Pay of the member per month	Monthly rate of pension
1. Exceeding Rs. 3000/-	15% of pay, minimum of Rs. 600/- and maximum of Rs. 1250/-
2. Exceeding Rs. 1500/- but not exceeding Rs. 3000/-	20% of pay, minimum of Rs. 450/-
3. Not exceeding Rs. 1500/-	30% of pay, minimum of Rs. 375/-

(2) If at the time of death during the period of reckonable service, a member was not in receipt of full-pay, the rate of full pay last drawn by him during that period shall be taken into account for the above assessment.

(3) Where an employee, who has been a member of this Family Pension Fund for a period not less than 7 years dies during the period of reckonable service, the above rate of Family Pension shall be subject to the following modifications :—

- (a) for a period of 7 years from the date of death or till the date on which the member of the Family Pension Scheme would have reached the age of 58 years had he/she remained alive, whichever period is short, the Family Pension payable shall be at 50 per cent of pay last drawn in full subject to a maximum of twice of the Family Pension mentioned in the Table.

Note :—In the case of erstwhile Government servants absorbed in the service of the Authority by 02-10-1989 and employees of the other public sector undertakings who joined service in the Authority by that date in continuation of their service in those undertakings the past service in Government or public sector undertaking will be reckoned towards the period of 7 years.

- (b) the Family Pension payable after the expiry of the period referred to in clause (a) shall be the same as in the Table.

45. Family Pension to whom payable.—(1) Subject to the provisions of regulation 44, the Family Pension is payable :—

- (a) to the widow or widower, upto the date of death or remarriage, whichever is earlier ;
- (b) failing (a), to the eldest surviving minor son until he attains the age of 18 years; and
- (c) failing (a) and (b), to the eldest surviving unmarried daughter until she attains the age of 21 years or Marriage, whichever is earlier.

(2) The Family Pension shall not be paid to more than one person at a time.

Note :—(1) In cases where there are two or more widows, Family Pension shall be payable to the eldest surviving widows. On her death, it shall be payable to the next surviving widow, if any. The term 'eldest' would

mean seniority with reference to the date of marriage.

(2) In the event of remarriage or death of the widow or widower, the pension will be granted to the minor children through their natural guardian. In disputed cases, however, payments will be made through a legal guardian.

46. Commencement of payment of Family Pension.—Family Pension shall become payable from the beginning of the month immediately following the month in which a member dies.

47. Lumpsum benefit.—Where a member of the Family Pension Scheme dies during the period of reckonable service, lumpsum of Rs. 2500 as lumpsum benefit shall be payable to his/her family in the order indicated in regulation 45.

48. Retirement benefit.—(1) On attaining the age of superannuation of a member of the Family Pension Scheme, who has contributed to the Family Pension Fund for a period of not less than 2 years, shall be paid lumpsum of Rs. 10,000 and thereafter he shall cease to be a member of the Family Pension Fund.

Note.—In the case of erstwhile Government servants absorbed in the service of the Authority w.e.f. 02-10-1989 and employees of other public sector undertakings who joined service in the Authority by that date in continuation of their service in those undertakings, the past service in Government or public sector undertaking will be reckoned towards the period of two years.

(2) Where a member of the Family Pension Scheme to whom any amount becomes payable under sub-regulation (1) dies before the amount has been actually paid to him/her, the lumpsum payment under sub-regulation (1) shall be payable to a member of his/her family who would have been entitled to receive Family Pension under regulation 45.

49. Withdrawal of benefit.—(1) In the case of cessation of membership from the Family Pension Scheme before attaining the age of superannuation for reasons other than death, the following benefit shall accrue to the member of the Family Pension Schemes :

Provided that he has paid contribution to the Family Pension Fund for not less than two years :

$$\frac{Y - X}{58 - X} \times 10,000 \times F$$

Where X = age of entry, Y = age of cessation of membership from the Family Pension Fund and F = a factor depending on the age of cessation of membership from the Family Pension Fund as given in Table I of the Schedule.

(2) In the event of cession of membership from the Family Pension Scheme, before the com-

pletion of two years contributions to the Family Pension Fund, the contributions of the member of the Family Pension Scheme credited to the Family Pension Fund together with interest thereon at the rate of 5-1/2 per cent per annum shall be refunded to him/her.

50. Benefit for members entering Family Pension Scheme after attaining the age of 25 years.—Where a person becomes a member of the Family Pension Scheme after the age of 25 years, the retirement/withdrawal benefits shall be payable in accordance with the provisions contained in regulations 48 and 49 multiplied by a factor depending on the age of entry given in Table II of the Schedule. In respect of Government servants on deputation, who are subsequently absorbed in the Authority, their age at the time they came on deputation will be taken as the age of becoming a member of the Scheme for the purpose of this regulation.

51. Disbursement of Family Pension and other benefits.—The Board shall, with the approval of the Authority, enter into agreements for the disbursement of Family Pension and other benefits under this Fund with disbursing agencies, like post offices or nationalised banks or treasuries. The commission payable to the disbursing agencies and other charges, incidental thereto, shall be met from the portion of Family Pension Fund contributed by the Authority under regulation 35.

52. Register, records etc.—The Board shall, with the approval of the Authority, prescribe the registers and records to be maintained in respect of employees, the form or designs of any identity card, token or disc for the purpose of identifying any employee or his nominee, or a member of family entitled to receive the Family Pension and such other formalities as have to be completed in connection with the grant of Family Pension and other benefits or for the continuance thereof subject to such periodical verification as may be considered necessary.

53. Power to issue directions.—The Authority may issue such direction as may be deemed just and proper by it for resolving any difficulty in implementation of this Scheme including difficulties in the matter of disbursement of Family Pension and other benefits.

54. Delegation of powers.—The Board may delegate any of its powers under these regulations to the President or to any ex-officio Trustee, or to the Secretary, subject to such conditions and modifications as it may deem fit to impose.

55. Relaxation.—Provisions of these regulations may be relaxed with the approval of the Authority, in respect of any employee or category of employees for special reasons to be recorded in writing.

56. Interpretation.—If any question arises, relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Chairman, who shall decide the same.

57. Winding up.—The Scheme shall not be closed except when the Authority is wound up. In the event of the dissolution of the Authority, the Scheme shall be closed and the money, after payments of amounts due to be paid but not yet paid under these regulations, shall be distributed amongst the members then existing by payment to each of them a sum which shall bear the same proportion to the aggregate market value of the proceeds of securities and uninvested cash constituting the Fund as the amount then standing to the credit of the member in his individual account bears to the aggregate of the amounts then standing to the individual accounts of all such members.

A. M. BHARDWAJ, Chairman

SCHEDULE

TABLE—I

(See regulation 49)

Age at cessation of membership in Family Pension Fund	Factor 'F'
1	2
20	0.25
21	0.27
22	0.30
23	0.32
24	0.35
25	0.37
26	0.40
27	0.43
28	0.45
29	0.48
30	0.50
31	0.53
32	0.55
33	0.58
34	0.60
35	0.63
36	0.65
37	0.68
38	0.70
39	0.72
40	0.74
41	0.76
42	0.78
43	0.80
44	0.81

1	2
45	0.83
46	0.84
47	0.86
48	0.87
49	0.88
50	0.89
51	0.89
52	0.90
53	0.90
54	0.91
55	0.92
56	0.92
57	0.93

Table—II

(See regulation 50)

Age of entry	Factor by which the benefits payable are to be multiplied
(1)	(2)
26	0.95
27	0.92
28	0.89
29	0.86
30	0.83
31	0.80
32	0.76
33	0.73
34	0.70
35	0.67
36	0.64
37	0.61
38	0.58
39	0.56
40	0.53
41	0.50
42	0.48
43	0.46
44	0.43
45	0.41
46	0.39
47	0.37
48	0.34
49	0.32
50	0.29
51	0.27
52	0.24
53	0.22
54	0.19
55	0.15
56	0.13
57	0.10

FORM A

(See regulation 36)

Account No. _____

DECLARATION FORM

Surname _____

1. Name _____
(in block capital)
2. Sex _____
3. Nationality _____
4. Father's/Husband's name _____
5. Marital status _____
(whether married, unmarried, widow or widower)
6. Date of Birth _____ day _____ month _____ year
(where exact particulars are not available, approximate age may be indicated in consultation with the Medical Office of the establishment).
7. Permanent Address :
Village _____ Thana _____
Tehsil/Sub-division _____
Post Office _____ Distt. _____
State _____
8. (i) I declare that I have not previously been a member of Employees Family Pension Fund.
(ii) I hereby furnish below the particulars of the members of my family who would be eligible to receive Family Pension and lumpsum benefits in the event of my premature death in service.

Sl. No.	Name & address of the family members	Age	Relationship with the member
---------	--------------------------------------	-----	------------------------------

*(III) I certify that I have no family as defined in para (2) (f) and (g) of the National Airports Authority (Employees Contributory Provident Fund and Family Pension Fund) Regulations, 1994 and should I acquire a family hereafter I shall furnish particulars thereof in the above form.

Signature or Left/Right hand
Thumb impression of the member.

*(Delete if not necessary)

(To be completed by the Employer)

Certified that the above declaration has been signed/thumb impressed by Shri/Shrimatei _____ employed in my establishment before me after he/she had read the entries/the entries have been read over to him/her by me and got confirmed by him/her.

Signature of the Employer or other
authorised officer of his/her
establishment.

Designation _____
Name & address of the
establishment : _____

Office Seal/Stamp _____

Place _____

Date _____

Form B

DECLARATION FORM

(See regulation 15)

I hereby declare that I have read and understood National Airports Authority Employees Contributory Provident Fund and Family Pension Scheme Regulations, 1974 and I hereby undertake to subscribe to the Fund and agree to be bound by the said regulations.

Signature in full_____

Name_____

Designation_____

Witness :

1. _____

2. _____

Date_____

Place_____

APPLICATION FOR ADVANCE FROM C. P. FUND

1. NAME :
2. CPF ACCOUNT NUMBER :
3. DESIGNATION :
4. PAY :
5. Balance at credit of subscriber on the date of applications as follows : —
 - (i) Closing balance as per statement of year 1988-89 :
 - (ii) Credit fromto.....subscription :
 - (iii) Refund of advance(s)/withdrawal(s) during the period from.....to..... :
 - (iv) Net balance at credit :
6. Amount of advance(s) outstanding :
 Amount of advance(s) taken on balance outstanding as on date of sanction : _____
 - (i) _____
 - (ii) _____
7. Amount of advance required : Rs. _____
8. (a) Purpose for which the advance is required :
 (b) Regulations under which the request is covered :
 (c) If advance is sought for house building etc., the following information may be given. :
 (i) Location and measurement of the plot : _____

 (ii) Whether the plot is freehold or on lease : _____
 (iii) Plan for construction : _____

 (iv) If the flat or plot being purchased from a H.B. Society the name of the Society, the location & measurement. :
 (v) Cost of construction : Rs. _____
 (vi) If the purchase of Flat is from DDA or any Housing Board, etc., the location/dimension etc. may be given :
 (d) If advance is required for education of children, following details may be given :
 (i) Name of the son/daughter :
 (ii) Class & Institution/College :
 (iii) Whether a day scholar or a hostler :

(e) If advance is required for treatment of ailing family member, following details may be given :

- (i) Name of the patient & relationship :
- (ii) Name of the hospital/dispensary doctor where the patient is undergoing treatment :
- (iii) Whether reimbursement available :

NOTE : IN CASE OF ADVANCE UNDER 8(c) TO 8 (e) ABOVE, CERTIFICATE OF DOCUMENTARY EVIDENCE WOULD BE REQUIRED.

9. Amount of the consolidation advance (item 6&7), and number of the monthly instalments in which Rs. consolidated advance is proposed to be repaid in instalments. :

10. Full particulars of the circumstance of the subscriber justifying the application for the temporary withdrawal :

I certify that particulars given above are correct and complete to the best of my knowledge and belief and that nothing has been concealed by me.

Signature of the applicant

Section :

Tel. No. :

Date :

Place :

